वर्ष : 16 ❖ अंक : 296 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 09 जून 2022

मुसलमानों के लिए मुसीबत है 'अलकायदा' : नकवी 3 | खाद्य पदार्थों के कारण बढ़ेगी खुदरा महंगाई : आरबीआई गवर्नर 8

'वोकल फॉर लोकल' योजना के लिए सरकार करेगी हरसंभव मदद : सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 08 जून । राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज स्थानीय सम्मान भवन में प्रधानमंत्री वन धन योजना पर स्टेट लीगल एडवोकसी प्रोग्राम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 27 वन धन विकास केंद्रों को आर्थिक सहायता के चेक प्रदान किये और विभिन्न धार्मिक संस्थानों को निर्माण, विकास एवं मरम्मत कार्य हेतु अनुदान भी प्रदान किये। वहीं यहां मुख्यमंत्री तथा अन्य अतिथियों को विभिन्न वीडीवीके सदस्यों द्वारा तैयार किये गये उत्पाद भेंट भी किये गये।

यहां अपने वक्तव्य में मुख्यमंत्री ने सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं और लाभान्वितों तक सुविधाओं का लाभ सुगम तरीके से पहुंचाने में कार्य करने हेतु सभी सम्बंधित विभागों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों से लोगों के प्रति सहृदयता और सकारात्मक के साथ सहायता करने का आग्रह किया, जिससे कि व्यक्ति, समाज और राज्य का समग्र विकास हो सके।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने अपने वक्तव्य में अधिक रचनात्मक गतिविधियों के लिए विचारों का आदान-प्रदान और चर्चा हेतु राज्य स्तरीय स्वयं सहायता समूहों की बैठक आयोजित करने का भी निर्देश दिया। इस अवसर पर उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' योजना की दिशा में राज्य सरकार की ओर से हरसम्भव मदद का आश्वासन भी दिया।

वहीं सहकारिता विभाग के मंत्री सोनम लामा ने स्थानीय तथा हस्तनिर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हुए लाभान्वितों से केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न जनहितकारी नीतियों का फायदा उठाने को कहा। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने कोविड-19 के दौरान अपनी जान गंवाने वाले मृतक पुलिसकर्मियों के परिजनों को मैनकाइंड फार्मा की ओर से प्रदत्त चेक सौंपे।

बैठक में मंत्री सोनम लामा, कर्मा लोदे भूटिया, जीएमसी कार्यकारी पार्षद अशोक प्रसाद, सहकारिता अध्यक्ष, बीबी छेत्री,

कानून ओएसडी, ओपी भंडारी, आरडीडी प्रमुख सचिव सीएस राव और सचिव सीएमओ श्रीमती टी किजोम के अलावा उपशास्त्रीय विभागीय सचिव डॉ. पासंग फेम्फू, सहकारिता सचिव, जेडी भूटिया, डीएसटी सचिव भुवन प्रधान, सामाजिक न्याय व कल्याण सचिव शेवांग ग्याछो एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैंकों के आर्थिक सहयोग से कई लोगों को मिला रोजगार : आदित्य गोले

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 08 जून । आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत केंद्रीय वित्त व कम्पनी मामलों के मंत्रालय के तत्वावधान में आज सोरेंग सीनियर सेकेण्डरी स्कूल परिसर में राज्यस्तरीय 'आइकोनिक वीक सेलेब्रेशन' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक आदित्य गोले मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं समारोह में आरबीआई के जीएम किशोर परियार, नाबार्ड जीएम एसके गुप्ता, एसबीआई जीएम नीरज कुमार प्रसाद, सिस्को की एमडी श्रीमती पेमा चेंजोंग के अलावा कृषि विभाग, वित्तीय संस्थानों के अधिकारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर अपने वक्तव्य में विधायक आदित्य गोले ने बैंकों एवं उनके कर्मचारियों को बेहतर सेवाएं एवं घरों तक सुविधाएं पहुंचाने हेतु धन्यवाद दिया। वहीं देश के विकास एवं समृद्धि में बैंकों के योगदान का जिक्र करते हुए विधायक ने कहा कि बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लोगों तक वित्तीय सहायता प्रदान करने के कारण ही आमलोगों खासकर ग्रामीण आबादी को रोजगार के काफी अवसर प्राप्त हुए हैं। इस अवसर पर उन्होंने आमलोगों से बैंकों में जाकर सरकारी की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने एवं उनका लाभ उठाने को कहा।

वहीं आरबीआई के जीएम किशोर परियार ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में बैंकिंग सेक्टर की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला एवं देश की सम्पत्ति की सुरक्षा करते हुए इसके विकास को आकार देने की जानकारी दी। इसी तरह नाबार्ड के जीएम एसके गुप्ता ने भी ग्रामीण कृषक आबादी तथा क्षेत्रीय बैंकों व वित्तीय संसथानों के बीच कड़ी का काम करते हुए नाबार्ड की जिम्मेदारियों एवं कार्य क्षेत्र पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर बैंक कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्यों के प्रति सम्मान जताने हेतु एक सम्मान समारोह भी आयोजित हुआ। इसमें सर्वश्रेष्ठ बिजनेस कॉरसपोंडेंस, सिक्किम के श्रेष्ठ बैंक के अलावा सर्वश्रेष्ठ कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। वहीं कार्यक्रम की शुरुआत में विधायक ने वहां विभिन्न बैंकों द्वारा लगाये गये स्टॉलों का परिदर्शन भी किया।

अस्थायी चेकपोस्ट निर्माण का जिलाधिकारी ने लिया जायजा

अनुगामिनी नि.सं.

रंगपो, 08 जून । रंगपो वायाडक्ट में अस्थायी चेक पोस्ट स्थापित किये जाने को लेकर आज रंगपो टूरिज्म गेस्ट हाउस में पाकिम जिला कलेक्टर ताशी चोफेल ने एक बैठक की।

इसमें उन्होंने कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान भवन व आवास विभाग के सहायक अभियंता ने बताया कि चेकपोस्ट निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है और आगामी 10 से 14 दिनों में इसके पूरा होने की उम्मीद है। वहीं बैठक में विभिन्न विभागों और सुविधा विभागों के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

वहीं बैठक के बाद जिला कलेक्टर ने निर्माण स्थल पर भौतिक निरीक्षण भी किया और कार्यप्रगति पर संतोष जताया।

सिक्किम विश्वविद्यालय में शुरु होंगी ऑफलाइन कक्षाएं

विद्यार्थियों ने किया निर्णय का विरोध

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 08 जून । कोविड-19 की परिस्थिति से उबरने के बाद अब जहां देश भर में अधिकांश शिक्षण संस्थान एवं विश्वविद्यालय खुल चुके हैं, वहीं सिक्किम विश्वविद्यालय में अभी भी ऑनलाइन कक्षाएं करायी जा रही हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय ने अब आगामी 13 जून से पोस्ट ग्रेजुएट तथा अंडर ग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिये फिजिकल कक्षाएं आयोजित करने का फैसला किया है। हालांकि विद्यार्थियों ने प्रबंधन से इसका विरोध करते हुए फिर से ऑनलाइन कक्षाएं ही कराये जाने की मांग की है।

2020 में कोविड की शुरुआत के समय से ही सिक्किम विश्वविद्यालय को बंद कर दिया गया था। लेकिन उसके दो वर्षों बाद कोविड मामलों के लगभग समाप्त होने पर अब 2300 विद्यार्थियों एवं 35 विभागों वाले इस विश्वविद्यालय प्रबंधन की ओर से बीते दिनों ही 3 जून को एक नोटिस जारी कर कहा गया कि चौथे (पीजी) और छठे (यूजी) सेमेस्टर वाले विद्यार्थियों को 13 जून से ऑनलाइन कक्षाएं करनी होंगी। विश्वविद्यालय के अनुसार इन विद्यार्थियों की परीक्षाएं भी ऑफलाइन ही होंगी। लेकिन इस पर आपत्ति जताते हुए पीजी और यूजी के विद्यार्थियों ने विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए ऑनलाइन कक्षाएं करवाने की ही मांग की है। इसके समर्थन में उनलोगों ने उप-कुलपति को सामूहिक हस्ताक्षरों वाला एक मांग पत्र भी सौंपा है। इस पत्र पर पीजी के 296 और यूजी के 35 विद्यार्थियों ने हस्ताक्षर किये हैं।

इस मांग पत्र में कहा गया है कि विश्वविद्यालय प्रबंधन ने केवल चौथे (पीजी) और छठे (यूजी) सेमेस्टर वाले विद्यार्थियों के लिये ही पढ़ाई ऑफलाइन करने का निर्णय लिया है। इसके कारण उन्हें विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। पत्र के अनुसार चौथे सेमेस्टर वाले विद्यार्थियों के पास महीने भर से भी कम समय में शोध पत्र समाप्त करने का काम है। ऑफलाइन कक्षाएं एवं परीक्षाएं होने से वे अपना शोध कार्य पूरा नहीं कर पायेंगे। वहीं पत्र में यह भी कहा गया है कि विद्यार्थियों को फिर नये सिरे से रहने का स्थान ढूंढना होगा, जिसके लिये आर्थिक दबाव भी सामने आयेगा।

वहीं विद्यार्थियों का कहना है कि चौथे सेमेस्टर की शुरुआत में अधिकांश छात्र-छात्राएं ऑफलाइन कक्षाएं करने के लिये आये थे, लेकिन विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन कक्षाएं करायी जा रही थीं। इसलिए उन्हें वापस अपने घर लौट जाना पड़ा था। लेकिन अब विश्वविद्यालय की ओर से ऑफलाइन कक्षाएं कराने की बात कही जा रही है। विद्यार्थियों का कहना है कि यदि ऑफलाइन कक्षाएं और परीक्षाएं ही करवानी थी, तो सेमेस्टर की शुरुआत से ही ऑफलाइन कक्षाएं करवानी थी। लेकिन अभी हमारे पास केवल 35 दिन ही बचे हैं। सेमेस्टर का अधिकांश हिस्सा ऑनलाइन ही करवाया गया है। ऐसे में ऑफलाइन परीक्षाएं करवाने से हमारे ऊपर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। वहीं विद्यार्थियों का यह भी कहना है कि देश के जेएनयू, जामिया मिलिया एवं अन्य विश्वविद्यालयों में जून-जुलाई तक पीएचडी के एंट्रेंस एग्जाम करवाये जायेंगे, क्योंकि उन्हें इससे पहले (शेष पृष्ठ ०३ पर)

सिक्किम के आर्थिक मॉडल में परिवर्तन लाने के लिए समन्वय सुनिश्चित करें : सांसद सुब्बा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 08 जून । गंगटोक जिले के लिए जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आज जिला पंचायत भवन के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई।

डीसी पूर्व के कार्यालय द्वारा ग्रामीण विकास के समन्वय से आयोजित बैठक की अध्यक्षता लोक सभा सांसद श्री इंद्र हंग सुब्बा, जो दिशा के अध्यक्ष भी हैं, ने जिला कलेक्टर, गंगटोक, श्री रगुल के, की उपस्थिति में किया। अपर उपायुक्त श्री तुषार निखारे एवं जिला अध्यक्ष श्री शमशेर राई सहित बीडीओ, ग्राम पंचायत अध्यक्ष, जिला सदस्य एवं विभिन्न संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अतिरिक्त डीसी, श्री तुषार निखरे ने बैठक में सभी का स्वागत किया। इस बैठक का उद्देश्य गंगटोक जिले के लिए रणनीतिक प्रगति योजना बनाने में शामिल राज्य के प्राथमिक क्षेत्रों की समीक्षा करना था। उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य एजेंडा राज्य में किसानों और हितधारकों के कल्याण के लिए प्रस्तावित विभिन्न केंद्र और राज्य योजनाओं के बारे में जागरुकता पैदा करना और कुछ मुद्दों को परिभाषित करना है जिसमें जिला प्रशासन हस्तक्षेप कर सकता है ताकि राज्य में सहायता प्रदान की जा सके।

जिन मामलों में जिला प्रशासन के हस्तक्षेप की आवश्यकता थी, मत्स्य निदेशालय के साथ कृषि, बागवानी, पशुपालन और पशु चिकित्सा विज्ञान के प्राथमिक विभागों और सहकारिता विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की विभिन्न योजनाओं के तहत की गई प्रगति की स्थिति पर गहन प्रस्तुति दी और इस पर भी प्रकाश डाला। प्राथमिक क्षेत्रों द्वारा की गई प्रस्तुतियों के बाद हुई एक खुली चर्चा के बाद, सांसद, लोकसभा सह अध्यक्ष, दिशा, श्री इंद्र हांग सुब्बा ने किसानों को लाभों के बारे में समझाने के लिए जमीनी स्तर पर जागरुकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए अपनी टिप्पणियों को व्यक्त किया।

उत्पादन प्रोत्साहन के साथ-साथ बीमा योजनाओं पर जागरुकता फैलाने के महत्व को संबोधित करते हुए, लोकसभा सांसद ने कहा कि यह सभी पंचायतों, जिला सदस्यों और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है कि वे सिक्किम राज्य के आर्थिक मॉडल में परिवर्तन लाने के लिए अंतर और अंतर-विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करें। सांसद लोकसभा ने प्रधानमंत्री वन धन योजना की प्रभावशीलता की खोज करने का (शेष पृष्ठ ०३ पर)

जिलाधिकारी ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा

अनुगामिनी नि.सं.

रंगपो, 08 जून । जिला कलेक्टर पाकिम ताशी छोफेल ने आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र-रंगपो का दौरा कर स्थानीय जनता को प्रदान की जा रही कार्यप्रणाली, बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का जायजा लिया।

उनके साथ एसडीएम-रंगपो और उप निदेशक, एलआर एंड डीएमडी-पाकिम भी थे। जिला कलेक्टर का चिकित्सा अधिकारी-रंगपो पीएचसी और कर्मचारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

डीसी ने पुरुष व महिला वार्ड सहित अस्पताल के सभी वर्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल के कामकाज पर संतोष व्यक्त किया और सभी को लगन से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

'आइकोनिक वीक सेलेब्रेशन' का आयोजन

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 08 जून । आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत केंद्रीय वित्त व कम्पनी मामलों के मंत्रालय के तत्वावधान में सिक्किम स्टेट कोऑपरेटिव बैंक द्वारा आज नामची ऑफिसर्स क्लब में 'आइकोनिक वीक सेलेब्रेशन' का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान बैंकिंग तथा सहकारी क्षेत्र में लागू की गयी सरकारी योजनाओं, पहलों एवं सुधारों को प्रदर्शित किया गया। 6 जून से 12 जून तक चलने वाले इस सप्ताहव्यापी समारोह के दौरान चर्चात्मक, वित्तीय साक्षरता, क्वीज प्रतियोगिता एवं अन्य कई शैक्षणिक सत्र आयोजित किये जायेंगे।

आज समारोह के उद्घाटन अवसर पर राज्य के वाणिज्य एवं उद्योग अध्यक्ष एमबी छेत्री मुख्य अतिथि थे। वहीं उनके अलावा इस अवसर पर गंगटोक आरबीआई मैनेजर सुभाष लोहागुन, सिस्को डीजीएम आरएल शर्मा, एजीएम सुश्री रिन्चेन ओंग्मू, एजीएम कर्मा लोदे ग्यास्तो तथा नाबार्ड प्रबंधक रूपेन लामिछाने के अलावा अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत 21 लाभान्वितों में विभिन्न बैंकों द्वारा मंजूर की गयी ऋण राशि का वितरण किया गया। इन लाभान्वितों में किसान, एसएचजी, एमपीसीएस, ओजीसीएस एवं अन्य शामिल रहे।

वहीं कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि एमबी छेत्री ने राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाली शख्सियतों को याद करते हुए उपस्थित लोगों से देश के विकास हेतु पूरी तन्मयता से कार्य करने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार द्वारा युवाओं के रोजगार हेतु शुरू की गयी विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की और उपस्थित बैंक अधिकारियों से लोगों को राज्य सरकार की रियायती ऋण योजनाओं का लाभ उठाने हेतु उनके बारे में जानकारी प्रदान करने को कहा।

इस दौरान आरबीआई मैनेजर सुभाष लोहागुन ने कहा कि डिजिटलाइजेशन के मौजूदा समय में बैंकिंग क्षेत्र के विकास अवसरों के बारे में (शेष पृष्ठ ०३ पर)

योग दिवस आयोजन को लेकर दूसरी तैयारी बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 08 जून । 8वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर आज डीएसी नामची के कांफ्रेंस हॉल में दूसरी समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य विभाग के आयुक्त सह सचिव डी. आनन्दम ने की। इसमें नामची डीसी एम. भरणी कुमार के अलावा एसएसपी केएल तेनजिंग, एडीसी सत्यन प्रधान आयुष मंत्रालय के संयुक्त निदेशक डॉ. कर्मा चादेन भूटिया एवं अन्य अधिकारीगण शामिल हुए।

इस अवसर पर अपने वक्तव्य में डी आनन्दम ने योग दिवस के सफल आयोजन हेतु विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने भाइचुंग स्टेडियम में विभिन्न अतिथियों की उपस्थिति में आयोजित होने वाले उक्त योग दिवस समारोह के आयोजन हेतु विभिन्न सम्बंधित विभागों को अपनी भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों को सही तरीके से निभाने को कहा। वहीं इस दौरान समारोह में भाग लेने वाले स्कूली बच्चों के आवागमन हेतु बस की व्यवस्था, यातायात व्यवस्था एवं अन्य पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके अलावा भी सम्बंधित विभागों के आवश्यक कार्यों पर भी विचार विमर्श किया गया। स्वास्थ्य आयुक्त ने अधिकारियों से समारोह की सफलता हेतु अपना कार्य सही तरीके से करने को कहा।

उल्लेखनीय है कि सिक्किम के भाइचुंग स्टेडियम में इस दफे पहली बार योग दिवस समारोह का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर राज्यपाल गंगा प्रसाद और मुख्यमंत्री पीएस तमांग के अलावा अन्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

राज्यपाल ने प्रदान की आर्थिक सहायता

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 08 जून । गांव-में गवर्नर कार्यक्रम' के तहत सिक्किम के राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद ने गंगटोक जिला स्थित नामरांग ग्राम पंचायत इकाई का दौरा कुछ दिन पूर्व किया था।

इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों से विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों पर चर्चा की । मनोकामना झरने के सौंदर्यीकरण एवं विद्यालय को सहयोग स्वरूप 3-3 लाख सहायता राशि देने की घोषणा की थी। आज इसी तहत उन्होंने संबंधित अधिकारी को चेक प्रदान किया। विदित हो कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यपाल सिक्किम के दूर- दराज़ के इलाकों में भ्रमण कर ग्रमीण क्षेत्रों की समस्याओं एवं विकास से अवगत हो रहे है साथ ही गांव के विकास हेतु अपना सहयोग भी प्रदान कर रहे हैं।

डीजीसीए का सख्त निर्देश

मास्क पहनने से मना करने वाले यात्रियों को विमान से उतार दो

नई दिल्ली, 08 जून (एजेन्सी)। विमानन नियामक डीजीसीए ने बुधवार को कहा कि अगर कोई यात्री बार-बार चेतावनी देने के बाद भी फेस मास्क नहीं पहनता है उसे विमान से उतार देना चाहिए। एयरलाइंस को निर्देश देते हुए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक सर्कुलर में कहा कि इसके अलावा, हवाईअड्डा संचालकों को स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की मदद लेनी चाहिए और फेस मास्क नहीं पहनने वालों पर जुर्माना लगाना चाहिए।

यह सर्कुलर 3 जून को दिल्ली उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद आया है। दरअसल दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को हवाईअड्डों और विमान में मास्क लगाने तथा हाथ धोने से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने वाले यात्रियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि कोविड-19 महामारी अभी समाप्त नहीं हुई है और रह-रहकर सिर उठा रही है।

अदालत ने कहा कि कोविड-19 से बचाव से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ न सिर्फ मामला दर्ज होना चाहिए, बल्कि उन पर जुर्माना भी लगाया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि ऐसे लोगों को नो-फ्लाई (उड़ान निषेध) सूची में डाल देना चाहिए। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सख्ती जरूरी है।

डीजीसीए के बुधवार के सर्कुलर में कहा गया है कि एयरलाइंस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यात्री विमानों में ठीक से मास्क पहनें और उन्हें केवल असाधारण परिस्थितियों में और अनुमत कारणों से ही चेहरों से हटाया जाए। यदि किसी यात्री को अतिरिक्त फेस मास्क की आवश्यकता होती है, तो एयरलाइन को इसे प्रदान करना होगा। नोटिस में कहा गया, 'एयरलाइन यह सुनिश्चित करेगी कि यदि कोई यात्री बार-बार चेतावनियों के बाद भी उपरोक्त निर्देशों का पालन नहीं करता है, तो उसे प्रस्थान से पहले, यदि आवश्यक हो, तो विमान से उतार दिया जाना चाहिए।'

सर्कुलर में कहा गया है कि यदि कोई यात्री मास्क पहनने से इनकार करता है या उड़ान के बीच में बार-बार चेतावनी देने के बाद भी कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करता है, तो उसे डीजीसीए, नियमों में परिभाषित अनियंत्रित यात्री के रूप में माना जाना चाहिए। डीजीसीए के नियम एयरलाइंस को यात्रियों को 'अनियंत्रित' घोषित किए जाने के बाद एक निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित करने का अधिकार देते हैं।

इसमें कहा गया है कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और हवाईअड्डे के प्रवेश द्वार पर तैनात अन्य पुलिस कर्मियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी को भी बिना मास्क पहने परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं हो।

सभी हवाईअड्डा संचालकों को यह सुनिश्चित करने के लिए घोषणाएं और निगरानी बढ़ानी चाहिए कि टर्मिनल पर यात्रियों ने फेस मास्क ठीक से पहना हो और हवाईअड्डा परिसर के भीतर हर समय कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार का पालन किया हो।

बीजेपी का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करता है बंकिम चंद्र चटर्जी का जीवन : नड्डा

कोलकाता, 08 जून (एजेन्सी)। राष्ट्रीय गीत लिखने वाले बंकिम चंद्र चटर्जी भाजपा और उसकी राष्ट्रवादी विचारधारा का नेतृत्व करने के लिए प्रेरणा का काम करते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने यहां बुधवार को यह बात कही।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने अपनी दो दिवसीय पश्चिम बंगाल यात्रा की शुरुआत हुगली जिले के चिनसुराह में वंदे मातरम भवन के दौरे से की, जहां बंकिम चंद्र चटर्जी ने राष्ट्रीय गीत लिखा था।

नड्डा ने वंदे मातरम भवन से बाहर आने के बाद संवाददाताओं से कहा, 'भारत का राष्ट्रीय गीत, जिसे उन्होंने यहां लिखा था, भारत में स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा थी। उनका जीवन मुझे राष्ट्र के लिए काम करने, मेरी पार्टी और इसकी राष्ट्रवादी विचारधाराओं का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करता है।'

नड्डा कोलकाता में नेशनल लाइब्रेरी में राज्य कार्यकारी परिषद की बैठक में भाग लेने वाले हैं। उसके बाद वह राज्य के निर्वाचित भाजपा लोकसभा सदस्यों और विधायकों के साथ बंद कमरे में बैठक में भी शामिल होंगे। वहां वह पार्टी में अंदरूनी कलह और भाजपा से वरिष्ठ नेताओं के पलायन को लेकर चर्चा कर सकते हैं।

नड्डा मंगलवार देर शाम कोलकाता पहुंचे थे। उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी सांसद डॉ. सुकांत मजूमदार और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी जैसे राज्य के वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ एक बैठक भी की।

सूत्रों ने कहा कि बैठक में नड्डा ने स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति अन्य राज्यों से अलग है। जो मुद्दे दूसरे राज्यों में भाजपा के पक्ष में काम कर रहे हैं, वे बंगाल में समान परिणाम नहीं दे रहे हैं।

भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों ने कहा कि नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य भाजपा नेतृत्व को पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) भर्ती अनियमितता घोटाले जैसे भ्रष्टाचार के मुद्दों पर राज्य में आंदोलन आयोजित करने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राज्य के भाजपा नेता को राज्य में जमीनी स्तर पर अपनी लड़ाई खुद लड़नी चाहिए और बाहर से कोई भी आकर उनके लिए लड़ाई नहीं जीतेगा।

आतंकी हमले में मारी गई टीचर रजनी बाला के घर पहुंचे एलजी मनोज सिन्हा, परिजनों से मिले

जम्मू, 08 जून (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकवादियों हमले में मारी गईं शिक्षक रजनी बाला के घर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने रजनी बाला के परिजनों से मुलाकात की। कुलगाम के गोपालपुरा में एक सरकारी विद्यालय में आतंकवादियों ने जम्मू क्षेत्र के सांबा जिले की रहने वाली अध्यापिका रजनी बाला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उपराज्यपाल ने रजनी बाला के पति से बात की। उन्होंने सिन्हा को बताया कि उन्होंने ट्रांसफर के लिए आवेदन किया था लेकिन इसे नजरअंदाज कर दिया गया।

राजकुमार बाला ने कहा, 'मैंने सुरक्षा चिंताओं के कारण एलजी से मुझे जम्मू क्षेत्र में ट्रांसफर करने की अपील की। रजनी बाला ड्यूटी पर शहीद हो गई, इसलिए उनका पूरा वेतन उनकी मां की सेवानिवृत्ति की आयु तक 'गुड़िया' (बेटी) को जाना चाहिए। तीसरी मांग यह थी कि हमारी बेटी को अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद सरकारी नौकरी मिले। सभी मांगों को स्वीकार कर लिया गया है।'

उन्होंने यह भी बताया कि उपराज्यपाल ने उस तबादला पत्र के बारे में भी पूछा जिसे रजनी बाला ने सुरक्षा खतरे के बीच स्थानांतरण की मांग करते हुए लिखा था। कश्मीर में 1 मई से लक्षित हत्याओं की नौ घटनाएं सामने आई हैं। कुलगाम में एक बैंक प्रबंधक विजय कुमार की हत्या के कुछ घंटे बाद गुरुवार को आतंकवादियों ने एक 17 वर्षीय प्रवासी श्रमिक को गोली मारकर हत्या कर दी। कश्मीरी पंडित राहुल भट की तहसीलदार के कार्यालय के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लक्षित हत्या के बीच, कश्मीरी पंडित घाटी से स्थानांतरित होने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

बता दें कि डोगरा और कश्मीरी पंडितों ने कश्मीर घाटी में हिंदू अल्पसंख्यकों की टारगेट किलिंग के मद्देनजर कश्मीर में तैनात दोनों समुदायों के कर्मचारियों का जम्मू तबादला किए जाने की मांग को लेकर अपना प्रदर्शन जारी रखा। प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर शिक्षक शामिल हैं। वे मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के एक स्कूल में अपनी सहयोगी रजनी बाला की आतंकवादियों द्वारा गोली मारकर हत्या करने के बाद जम्मू लौट आए हैं।

सिद्धू मूसेवाला की अंतिम अरदास में भावुक हुए पिता, बोले- अंतिम वक्त में नहीं रह पाया साथ, पता नहीं उसका क्या कसूर था

मानसा, 08 जून (एजेन्सी)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की अंतिम अरदास के मौके पर बुधवार को बड़ी संख्या में लोग जुटे। मानसा की अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम में भीषण लू के बाद भी बच्चे, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में जुटे थे। इन लोगों में पंजाब ही नहीं बल्कि हिमाचल, हरियाणा समेत कई राज्यों से पहुंचे सिद्धू मूसेवाला के प्रशंसक भी शामिल थे। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने बेटे को याद करते हुए कई पुरानी बातों का जिक्र किया तो सरकार को भी नसीहत दी। उन्होंने कहा कि आपको व्यवस्था ठीक करनी होगी वरना आज मेरा बेटा गया है और आपके साथ भी ऐसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि मैंने जब नर्सरी में शुभदीप सिंह का दाखिला कराया तो मैं उसे साइकिल से 24 किलोमीटर दूर तक छोड़ने जाता था।

उन्होंने कहा कि मेरा बेटा बहुत ही सीधा-सादा था। वह 12वीं तक स्कूल जाने के लिए 24 किलोमीटर दूर तक साइकिल चलाकर जाता रहा। बलकौर सिंह इस दौरान दिवंगत बेटे के प्रशंसकों को देखकर बेहद भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि सिद्धू मूसेवाला कभी अपने पास पर्स नहीं रखते थे। उसे जब भी खर्च की जरूरत होती थी तो कहता कि पापा पैसे दो। वह कभी भी बाहर जाता तो बिना पूछे नहीं जाता। उसे हम लोगों से बहुत ज्यादा ख्याल था और शायद इसीलिए वह इतना प्यार देकर जल्दी चला गया। उन्होंने कहा कि जिस दिन उसकी हत्या हुई थी, उस दिन मैंने उसके साथ जाने की कही थी, लेकिन उसने कहा था कि आप खेत से आए हो और आराम करो।

आज मेरे बेटे के साथ ऐसा हुआ है और कल किसी और के बेटे के साथ ऐसा न हो, इसलिए सरकार को प्रयास करने चाहिए। मुझे तो आज तक पता नहीं है कि मेरे बेटे का कसूर क्या था। मेरे पास कभी भी बेटे की शिकायत नहीं आई थी। मेरा बेटे ने रोकर मुझसे पूछा था कि आखिर हर गलत बात मेरे ऊपर क्यों लग जाती है। बलकौर सिंह ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आप लोगों के जुटने से हमें साहस मिला है और गम को कम करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि मेरे बेटे ने कभी गनमैन नहीं रखे क्योंकि उसे कभी लगा ही नहीं कि उसे कोई खतरा है।

उन्होंने कहा कि मैं हमेशा अपने बेटे के साथ परछाईं की तरह लगा रहा, लेकिन आखिरी वक्त में उसके साथ नहीं रह पाया। उन्होंने कहा कि हमारे सामने पहाड़ जैसा दुख है। हम कहते जरूर हैं कि जी लेंगे, लेकिन ऐसा होना आसान नहीं है। कहते हैं कि जिंदगी में कोई बचपन में दुख झेलता है तो कोई बुढ़ापे में। लेकिन मैं इतना बदनसीब हूं कि बचपन भी बुरा था और अब बुढ़ापे में बच्चे की मौत का गम झेलना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब हमें नई जिंदगी जीनी है। मैंने यदि किसी से गलत बोला है तो अनजान और दुखी पिता समझकर माफ कर दो।

एनएचएआई ने मात्र 105 घंटे में बना दी 75 किमी लंबी सड़क, गिनीज बुक में दर्ज हुआ रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 08 जून (एजेन्सी)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने मंगलवार को अपने नाम एक नया विश्व रिकॉर्ड दर्ज कराया है। एनएचएआई ने मात्र 105 घंटे में 75 किलोमीटर लंबी बिटुमिनस कंक्रीट की सड़क बनाकर पूरी दुनिया में नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। यह रिकॉर्ड महाराष्ट्र में अमरावती और अकोला के बीच मार्ग पर 105 घंटे 33 मिनट के रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट कर यह जानकारी साझा की। गडकरी ने अपने ट्वीट के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट भी पोस्ट किया है। इसके अलावा नितिन गडकरी ने एक वीडियो संदेश जारी करते हुए लिखा है कि यह देश के लिए एक गर्व का क्षण है।

गडकरी ने वीडियो संदेश के जरिए विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए एनएचएआई और राज पाथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड के सभी इंजीनियरों, ठेकेदारों, सलाहकारों और श्रमिकों को बधाई दी, जिसने इस विश्व रिकॉर्ड को सफलतापूर्वक पूरा करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि अमरावती से अकोला जिलों के बीच एनएच 53 पर 105 घंटे 33 मिनट में 75 किमी बिटुमिनस कंक्रीट को सिंगल लेन में बिछाने का रिकॉर्ड बनाया गया है।

उन्होंने कहा, 75 किमी सिंगल-लेन बिटुमिनस कंक्रीट रोड के लिए काम 3 जून 2022 को सुबह 7:27 बजे शुरू हुआ और 7 जून शाम 5 बजे पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि रोड बनाने के लिए कुल 36,634 मीट्रिक टन मैटेरियल का इस्तेमाल किया गया।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना को सलाहकारों की एक टीम सहित 720 श्रमिकों द्वारा पूरा किया गया था जिन्होंने इस कार्य को पूरा करने के लिए दिन-रात काम किया था।

तेलंगाना के भाजपा विधायक के खिलाफ केस दर्ज, धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप

हैदराबाद, 08 जून (एजेन्सी)। हैदराबाद पुलिस ने तेलंगाना के भाजपा विधायक राजा सिंह के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि उन्होंने एक विशेष समुदाय की धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। सिंह तेलंगाना के गोशामहल से विधायक हैं।

हैदराबाद के कंचनबाग थाने में राजा सिंह के खिलाफ भादंवि की धारा 295ए के तहत केस दर्ज किया गया है। मोहम्मद अली नाम के शख्स की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया गया है। अली पेशे से हैदराबाद के व्यवसायी हैं।

कंचनबाग थाने के सीआई उमा महेश्वर ने बताया कि हमने विधायक राजा सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता मोहम्मद अली ने कहा है भाजपा विधायक का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें राजा सिंह एक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करते नजर आ रहे हैं।

मामले की जांच चल रही है। वीडियो की प्रामाणिकता और उसकी तारीख व समय की भी अभी पुष्टि नहीं हुई है।

कृपाशंकर ने लिखा सीएम योगी को पत्र, यूपी के स्कूलों में मराठी भाषा पढ़ाने की अपील

मुंबई, 08 जून (एजेन्सी)। मुंबई सहित निकाय चुनावों से पहले महाराष्ट्र भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर राज्य के स्कूलों में मराठी को वैकल्पिक भाषा के रूप में पेश करने की मांग की है। सिंह ने 4 जून को लिखे एक पत्र में कहा कि मराठी सीखने से राज्य सरकार सहित महाराष्ट्र में यूपी के छात्रों की नौकरी की संभावनाएं बेहतर होंगी। महाराष्ट्र भाजपा उपाध्यक्ष सिंह ने कहा कि अगर माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में मराठी को वैकल्पिक भाषा बना दिया जाता है तो इससे छात्रों को महाराष्ट्र में बेहतर रोजगार मिल सकता है। मैं आपसे उत्तर प्रदेश के स्कूलों में मराठी को वैकल्पिक भाषा के रूप में शामिल करने का अनुरोध करता हूं।

कृपाशंकर सिंह ने 2004 में महाराष्ट्र में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य किया था। उन्होंने कहा, मैं पिछले 50 वर्षों से महाराष्ट्र में रह रहा हूं। अपने कार्यकाल के दौरान मैंने देखा कि जब छात्र (यूपी से) महाराष्ट्र आते हैं, तो उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। मराठी भाषा के ज्ञान की कमी के कारण समस्याएं होती हैं। साथ ही राज्य सरकार या निगमों में कई रिक्तियां हैं जिनमें मराठी भाषा का ज्ञान होना आवश्यक होता है। सिंह ने यह भी कहा कि वह उत्तर प्रदेश के साथ विशेष रूप से पूर्वांचल क्षेत्र के साथ अच्छे संबंध बनाए हुए हैं।

उन्होंने कहा, कई छात्र अपनी उच्च माध्यमिक परीक्षा पूरी करने के बाद नौकरी की तलाश में महाराष्ट्र चले जाते हैं, इसलिए मैंने (मराठी पढ़ाने का) यूपी के मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है। महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई नगर निगम और अन्य नगर निकायों के चुनाव अगले कुछ महीनों में होने हैं। मुंबई और महानगरीय क्षेत्र के अधिकांश मतदाताओं की जड़ें उत्तर प्रदेश और बिहार में हैं।

राहुल की पेशी पर कुछ बड़ा करने की तैयारी में कांग्रेस, सांसदों को दिल्ली बुलाया

नई दिल्ली, 08 जून (एजेन्सी)। कांग्रेस 13 जून को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने राहुल गांधी की पेशी के दौरान बड़े स्तर पर शक्ति प्रदर्शन की तैयारी में है। पार्टी ने अपने सभी सांसदों को 13 जून के दिन दिल्ली में मौजूद रहने को कहा है। सूत्रों के मुताबिक, पेशी से पहले गुरुवार को पार्टी महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश कांग्रेस समितियों के अध्यक्षों की वर्चुअली बैठक भी बुलाई है जिसमें राहुल गांधी और सोनिया गांधी की ईडी के समक्ष पेशी के संदर्भ में चर्चा हो सकती है।

कांग्रेस सूत्रों के हवाले से बताया है, 'गुरुवार शाम पार्टी महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों की ऑनलाइन बैठक बुलाई गई है जिसमें ईडी से जुड़े मामले और संगठन से जुड़े कुछ अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है।' सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने अपने सांसदों से भी कहा है कि वे 13 जून की सुबह दिल्ली में मौजूद रहें।

ईडी ने 'नेशनल हेराल्ड' से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोनिया गांधी को 8 जून को पेश होने के लिए नोटिस दिया था, हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष ने पेश होने के लिए और समय मांगा है, क्योंकि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हैं तथा अब तक स्वस्थ नहीं हुई हैं।

कथित मनी लॉन्ड्रिंग के इसी मामले में ईडी की ओर से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को 13 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ईडी ने इससे पहले राहुल गांधी को दो जून को पेश होने को कहा था, लेकिन उन्होंने पेश होने के लिए कोई दूसरी तारीख देने का अनुरोध करते हुए कहा था कि वह देश से बाहर हैं। राहुल गांधी पिछले सप्ताह स्वदेश लौटे।

महाराष्ट्र में कोरोना मामलों में बड़ी उछाल, अकेले मुंबई से मिले 1765 संक्रमित

मुंबई, 08 जून (एजेन्सी)। महाराष्ट्र में बुधवार को कोरोना मामलों में एक बार फिर से भारी उछाल देखने को मिली। महाराष्ट्र ने बुधवार, 8 जून को 2,701 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए, जिससे राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या 9,806 हो गई। राज्य में पाए गए 2,701 नए कोविड-19 मामलों में 1,765 मरीज मुंबई के थे। इसके अलावा, दिन में कोविड-19 से कोई मौत दर्ज नहीं की गई। दिन में 1327 मरीजों को छुट्टी दे दी गई, जिससे रिकवरी की संख्या 77,41,143 हो गई। राज्य में रिकवरी रेट 98.0 प्रतिशत है और मृत्यु दर 1.87 प्रतिशत है।

इससे पहले महाराष्ट्र में मंगलवार को 1,881 नए कोरोना वायरस मामले दर्ज किए गए थे, जो पिछले दिन की तुलना में 81 प्रतिशत अधिक थे। मुंबई में मंगलवार को 1,242 केस दर्ज किए गए थे। महाराष्ट्र ने मंगलवार को कोरोना के बीए5 वैरिएंट का भी एक मामला दर्ज किया।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से बुधवार को जारी बुलेटिन के अनुसार राज्य में अब तक इस बीमारी से 78,96,114 लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं 1,47,866 लोगों की मौत हो चुकी हैं। इस बीच राज्य भर में और 878 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी को मात देने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 77,39,816 हो गई है। राज्य में रिकवरी दर 98.02 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.87 प्रतिशत हैं।

देश में पिछले 24 घंटों में 5,233 नए मामले दर्ज करने के साथ, बुधवार को भारत में नए कोविड-19 मामलों में वृद्धि जारी रही।

इसके साथ ही भारत में सक्रिय मामले बढ़कर 28,857 हो गए। भारत में दैनिक कोरोनावायरस संक्रमण 93 दिनों के बाद 5,000 से ऊपर दर्ज किया गया है।

हिमंत बिस्वा की कैबिनेट का होगा विस्तार, आज दो विधायक लेंगे मंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली, 08 जून (एजेन्सी)। असम में हिमंता बिस्वा सरमा की कैबिनेट का शुक्रवार को विस्तार होगा। बीजेपी के दो विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। दोनों विधायकों को गुवाहटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र पर दोपहर करीब तीन बजे मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को खुद इसकी जानकारी दी।

हालांकि, मुख्यमंत्री ने उन दो विधायकों के नाम का जिक्र नहीं किया है जिन्हें कल मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पहाड़ी जिलों के दो विधायक को कैबिनेट में जगह दी जाएगी। असम के मुख्यमंत्री अपने बयानों के लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं।

पत्नी को संपत्ति के समान हिस्से की वकालत करने वाले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पिछले हफ्ते कहा कि मुस्लिम पुरुष को तीन की बजाय एक महिला से ही शादी करनी चाहिए। सरमा ने मुस्लिम समुदाय से 'तीन तलाक की बजाय कानूनी तलाक की प्रक्रिया अपनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, असम सरकार इस मामले में बहुत स्पष्ट है कि कोई भी मुस्लिम पुरुष तीन महिलाओं से शादी नहीं करे।'

सरमा ने कहा कि मुस्लिम पुरुष तीन तलाक न दें, बल्कि कानूनी रूप से तलाक दें। उन्होंने कहा कि बेटों की तरह बेटियों को भी संपत्ति में बराबर हिस्सा दिया जाना चाहिए। संपत्ति का 50 प्रतिशत हिस्सा पत्नी को भी मिलनी चाहिए। इस मामले में सरकार और आम मुसलमानों के विचार समान हैं।

मुसलमानों के लिए मुसीबत है 'अलकायदा' : नकवी

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसी)। आतंकी संगठन अलकायदा द्वारा भारत पर हमले की धमकी देने के बाद राज्यसभा के सांसद और केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

पैगंबर मोहम्मद पर की गई विवादित टिप्पणी को लेकर अब आतंकी संगठन अल कायदा ने भारत में आत्मघाती हमले की धमकी दी है। इस ब्यान के आने के बाद केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि, अल-कायदा, मुसलमानों की हिफाजत नहीं मुसीबत है जो इस्लाम को सुरक्षा कवच बनाकर इंसानियत को लहूलुहान करने के मंसूबों में लगा है।

उल्लेखनीय है अलकायदा ने गुजरात, यूपी, मुंबई और दिल्ली में आत्मघाती हमले करने की धमकी दी है। अलकायदा की यह धमकी टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मोहम्मद पर बीजेपी की निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी के बाद आई है।

नकवी ने कहा, भारत के सह-अस्तित्व का समावेशी संस्कार, किसी भी संकीर्ण सांप्रदायिक साजिश का शिकार नहीं हो सकता है। वसुधैव कुटुम्बकम के संस्कार और सर्वे भवन्तु सुखिन: के संकल्प का ही नतीजा है कि हिंदुस्तान में दुनिया के सभी धर्मावलंबी समानता, स्वतंत्रता और समावेशी माहौल में फल-फूल रहे हैं।

नकवी ने कहा, दुनिया भर में रहने वाले हर दस मुसलमान में से एक मुसलमान भारत में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, धार्मिक, संवैधानिक स्वंत्रता और सुरक्षा के साथ रह रहा है। वहीं पड़ोस के इस्लामी देश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे जुर्म और जुल्म पर खामोशी की चुनिंदा अधिकारों और स्वतंत्रता की सोंच आश्चर्यचकित करने वाली है।

भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) ने पैगंबर मोहम्मद के अपमान का बदला लेने के लिए दिल्ली, मुंबई, उत्तर प्रदेश और गुजरात में 'आत्मघाती बम विस्फोट' करने की चेतावनी जारी की है। एक्यूआईएस ने एक धमकी भरा पत्र जारी किया। इसमें लिखा गया, भगवा आतंकवादियों को अब दिल्ली, बंबई, यूपी और गुजरात में अपने अंत का इंतजार करना चाहिए। वे न तो अपने घरों में और न ही अपनी किलेबंद सैन्य छावनियों में शरण ले पाएंगे।

इसने कहा, दुनिया भर के मुसलमानों के दिलों से खून बह रहा है और वे बदला और प्रतिशोध की भावना से भरे हुए हैं।

भारतीय जनता पार्टी की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने कथित तौर पर पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद उन्हें पार्टी ने निलंबित कर दिया था।

नूपुर शर्मा के विवादित बयान से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोहराम मचा हुआ है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, सऊदी अरब, यूएई, कतर, कुवैत, बहरीन, इंडोनेशिया और ईरान समेत कई मुस्लिम देशों के साथ-साथ इस्लामी सहयोग संगठन ने उनके बयानों का विरोध किया है और माफी की मांग की है।

एक्यूआईएस की ओर से दी गई धमकी के बाद देश की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं।

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के लिए नया प्लेटफार्म तैयार कर रही केंद्र सरकार, अमित शाह ने की समीक्षा

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसी)। भाजपा सरकार अपराध और अपराधियों को लेकर हमेशा से सख्त रुख अपनाया हुआ है। वहीं, अब सरकार पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को और भी उन्नत बनाने की दिशा में काम कर रही है। जल्दी ही सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को एक नया प्लेटफार्म मुहैया कराया जाएगा। ये नया प्लेटफार्म तकनीकी रूप से और अधिक उन्नत, सुरक्षित और नए जमाने के अपराधियों और असामाजिक तत्वों से निपटने में मददगार होगा। बुधवार को गृहमंत्रालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सरकार इस दिशा में काम कर रही है। इसमें इंटेलिजेंस ब्यूरो नोडल एजेंसी की भूमिका निभा रहा है। इस नए प्लेटफॉर्म में अपराध और अपराधियों के बारे में सारी जानकारी होगी। इसे देश भर के पुलिस स्टेशनों और विभिन्न जांच एजेंसियों द्वारा वास्तविक समय के आधार पर एक्सेस किया जा सकेगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को पुलिस प्रौद्योगिकी के अधिकार प्राप्त संचालन समूह की एक हाई लेवल मीटिंग में इस प्रोजेक्ट पर हो रहे काम की प्रगति की समीक्षा की। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।

मंगलवार को हुई बैठक के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, खुफिया ब्यूरो के निदेशक अरविंद कुमार, डीआरडीओ के अध्यक्ष जी सतीश रेड्डी, एनटीआरओ के अध्यक्ष अनिल धस्माना, सीबीआई निदेशक सुबोध कुमार जायसवाल, बीएसएफ के महानिदेशक पंकज सिंह, सीआरपीएफ के महानिदेशक कुलदीप सिंह और दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना समेत अन्य लोग शामिल थे।

पिछले साल नवंबर माह में लखनऊ में हुए डीजीपी सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भविष्य की तकनीकों को पुलिस व्यवस्था में शामिल करने के लिए कहा था। उस दौरान उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त पुलिस प्रौद्योगिकी मिशन का गठन किया गया था।

भारत सरकार के पास पहले ही एफआईआर दर्ज करने के लिए क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स प्लेटफार्म है। इसे देश भर के 16,347 पुलिस स्टेशन में लागू किया गया है। वहीं इसके साथ ही केंद्र सरकार के पास यौन अपराधियों पर नजर रखने के लिए एक राष्ट्रीय डेटाबेस है, इस पर देश में 10.69 लाख से अधिक यौन अपराधियों का विवरण और उनके प्रोफाइल कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए उपलब्ध हैं।

साथ ही सरकार ने नेटग्रिड को भी तैयार कर लिया है। पहले चरण में 10 यूजर एजेंसियों और 21 सेवा प्रदाताओं को नेटग्रिड से जोड़ा गया है। इन एजेंसियों की नेटग्रिड के डाटा तक वास्तविक समय में पहुंच होगी। वहीं, अभी किसी भी राज्य की एजेंसियों को नैटग्रिड डाटा को एक्सेस करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस केंद्रीय एजेंसियों को इसकी अनुमति होगी, उनमें आईबी, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग(रॉ), सीबीआई, ईडी, राजस्व खुफिया निदेशालय, वित्तीय खुफिया इकाई, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, केंद्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क बोर्ड, केंद्रीय उत्पाद शुल्क और खुफिया महानिदेशालय और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो शामिल हैं।

विधायक बने रहेंगे मुकुल रॉय, विधानसभा अध्यक्ष ने खारिज की विपक्ष की मांग

कोलकाता, 08 जून (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने बुधवार को बीजेपी विधायक मुकुल रॉय को अयोग्य घोषित करने की विपक्ष की याचिका को खारिज कर दिया है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा अध्यक्ष से मुकुल रॉय को अयोग्य घोषित करने की मांग करते हुए अयोग्यता याचिका दायर की थी। बिमान बनर्जी ने कहा कि उन्हें याचिकाकर्ता के तर्क में कोई तथ्य नहीं मिला। इसी के साथ बनर्जी ने इस मामले पर अपना पिछला फैसला बरकरार रखा है।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने 11 अप्रैल को अध्यक्ष के पहले के आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें अधिकारी की ओर से राय को दलबदल के आधार पर सदन के सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित करने की मांग की गई थी। इसके साथ ही मामले पर फिर से विचार करने को कहा गया था।

विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा, मैंने दोनों पक्षों को सुना, याचिकाकर्ता की ओर से बताए गए पहले के फैसलों पर विस्तार से चर्चा की और फिर इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि याचिकाकर्ता अपने तर्क को साबित करने में विफल रहा है। उन्होंने याचिकाकर्ता ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया। मैंने उन सबूतों पर ध्यान दिया, जो आरोप साबित करने में विफल रहे।'

विधानसभा में अपने फैसले के बारे में बताने के बाद मीडिया से बात करते हुए बिमान बनर्जी ने कहा यह कानून का मामला है और उन्होंने इस मुद्दे पर और कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। टीएमसी सूत्रों ने कहा कि अध्यक्ष के आदेश का मतलब यह हुआ है कि कृष्णानगर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले रॉय भाजपा विधायक बने रहेंगे।

राय भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीतने के करीब एक महीने बाद जून 2021 में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। उन्होंने सदन के सदस्य के रूप में इस्तीफा नहीं दिया। इसके बाद अधिकारी ने दलबदल विरोधी कानून के तहत अध्यक्ष के समक्ष उनके खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की थी।

सांसद नवनीत राणा और रवि राणा के खिलाफ चार्जशीट दायर, 16 जून को होगी अगली सुनवाई

मुंबई, 08 जून (एजेंसी)। हनुमान चालीसा विवाद को लेकर सुर्खियों में आए सांसद नवनीत राणा और रवि राणा मामले में पुलिस ने चार्जशीट दायर कर दी है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 16 जून को होगी। दोनों को बोरीवली कोर्ट में आज पेश होना था। हालांकि, कोर्ट ने आज उन्होंने व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे दी है। पुलिस ने दंपती के खिलाफ आईपीसी की धारा 353 के तहत दर्ज किए गए केस में चार्जशीट दायर की है।

नवनीत राणा व उनके विधायक पति रवि राणा को 23 अप्रैल को उनके मुंबई स्थित निवास से उस वक्त गिरफ्तार किया गया था, जब उन्होंने मुंबई के बांद्रा में सीएम व शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के निवास मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने का एलान किया था। राणा दंपती के खिलाफ देशद्रोह व अन्य धाराओं में दो केस दर्ज किए गए थे। राणा दंपती को 4 मई को कोर्ट ने जमानत दी थी और 5 मई को वे जेल से रिहा किए गए थे। लोकसभा की विशेषाधिकार समिति ने महाराष्ट्र के अमरावती से सांसद नवनीत राणा के उत्पीड़न के मामले में महाराष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों को तलब किया है। राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और मुंबई के पुलिस आयुक्त को 15 जून को समिति के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया है। सांसद राणा ने गत दिनों मुंबई में गिरफ्तारी और जेल में रखे जाने के दौरान अपने उत्पीड़न की शिकायत विशेषाधिकार समिति से की थी। इसी मामले में महाराष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों को समिति ने तलब किया है। भाजपा सांसद सुनील सिंह के अध्यक्षता वाली समिति अगले सप्ताह मामले की सुनवाई करेगी। सांसद राणा ने अपने साथ हुए दुर्व्यवहार की लोकसभा स्पीकर से शिकायत की थी। स्पीकर ने यह मामला विशेषाधिकार समिति को सौंप दिया था।

आइकोनिक वीक .....

कहा। उनके अनुसार आज बैंकिंग क्षेत्र अपनी सेवा गुणवत्ता में काफी विकास कर ग्राहक हितैषी केंद्र में बदल रहे हैं। वहीं नाबार्ड मैनेजर रूपेन लामिछाने ने इस दौरान विभिन्न बैंकों में केंद्र व राज्य सरकारों की रियायती ऋण योजनाओं की सुविधा प्राप्त होने की जानकारी दी।

इस अवसर पर बैंकिंग अधिकारियों एवं योजनाओं के लाभान्वितों के बीच एक परिचर्चा सत्र का भी आयोजन किया गया। साथ ही फिशिंग के सम्बंध में एक वित्तीय साक्षरता हेतु वीडियो भी प्रदर्शित की गयी। वहीं मुख्य अतिथि ने जिले के सर्वश्रेष्ठ बैंक कर्मचारी एवं बैंकिंग प्रतिनिधि को पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम परिसर में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना समेत अन्य योजनाओं को प्रदर्शित करते हुए स्टॉल एवं हेल्प डेस्क भी लगाये गये थे।

सिक्किम के आर्थिक .....

सुझाव दिया और संबंधित विभागों को वन विभाग के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया।

उन्होंने सभी से पारंपरिक बैठकों से परे जाकर प्रभावी संचार और सहयोग के साथ काम करने का आग्रह किया ताकि राज्य के विकास तंत्र में किसी भी तरह की गिरावट से बचा जा सके। उन्होंने ग्रामीण आबादी के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए आज की बैठक के दौरान सामने आए विभिन्न मुद्दों के समाधान में प्रशासन से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

जिला कलेक्टर, गंगटोक, श्री रागुल के, ने अपने संबोधन में कहा कि दिशा बैठकों के दौरान प्रस्तुत व्यापक समीक्षा नीति निर्माताओं और अन्य हितधारकों को प्रासंगिक प्रतिक्रिया प्रदान करती है जो उन्हें विभिन्न स्तरों पर विकास कार्यों की निगरानी में सहायता करती है।

राज्य में विभिन्न योजनाओं, विशेष रूप से उत्पादन प्रोत्साहन योजना की सफलता पर प्रकाश डालते हुए, डीसी, गंगटोक ने इसके सफल कार्यान्वयन के लिए लाइन विभागों, हितधारकों और जनता के बीच अभिसरण, जुड़ाव और सम्नवय के महत्व पर जोर दिया। योजनाओं और आगे संबंधित विभागों को भविष्य में किसी भी भूमि विवाद और संघर्ष से बचने के लिए सूची के रूप में भूमि जोत का रिकॉर्ड बनाए रखने का निर्देश दिया।

बेऊर जेल में बंद अपराधी ने कारोबारी से मांगी रंगदारी

पटना, 08 जून (का.सं.)। बिहार में अपराधी जेल में रहकर भी अपराध की वारदातों को अंजाम देते हैं। जेल से रंगदारी मांगने के साथ अन्य वारदातों का प्लान तैयार किया जाता है। जेल में बंद अपराधी मोबाइल से अपना साम्राज्य चलाते हैं। ताजा मामला राज्य के सबसे बड़े और सुरक्षित कारागार बेऊर जेल से रंगदारी मांगने का है। जेल में बंद एक कुख्यात अपराधी ने एक कारोबारी को फोन करके 20 हजार हर माह रंगदारी की मांग की है। इसका खुलासा होने पर बिहार पुलिस और बेऊर जेल प्रशासन में खलबली मच गई है। पीड़ित ने कदम कुआं थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है।

पटना का कुख्यात भवानी इन दिनों बेऊर जेल में बंद है। वह जेल से ही रंगदारी मांगने का धंधा चला रहा है। पिछले दिनों कमद कुआं स्थित कारोबारी सुशील कुमार को फोन कर रंगदारी की मांग की। इतना ही नहीं भवानी ने अपने तीन गुर्गों को सुशील कुमार की दुकान पर भी भेजा और रंगदारी नहीं देने की हत्या की धमकी दी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बेऊर प्रशासन ने जेल में सभी वार्डों की तलाशी ली। बदमाश भवानी के वार्ड की गहनता से तलाशी ली गई। हालांकि उसके वार्ड से हुई बरामदगी को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गयी है। बदमाश भवानी पर हत्या और रंगदारी समेत विभिन्न अपराधों के छह मामले चल रहे हैं। जेल से वह कई कारोबारियों से पैसे मांग चुका है। लेकिन किसी ने पुलिस को सूचना देने की जहमत नहीं उठाई। कारोबारी सुशील की ओर से मिली शिकायत पर पटना पुलिस एक्टिव हो गई है।

नीतीश ने लॉन्च की टेक्सटाइल एवं लेदर पॉलिसी 2022, बोले- अब बिहार का उद्योग बहुत अच्छा होगा

पटना, 08 जून (का.सं.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने टेक्सटाइल एवं लेदर पॉलिसी 2022 का लोकार्पण किया है। इस मौके पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा है कि हम लोगों ने शुरू से उद्योग के क्षेत्र में विकास के लिए कोशिश की, लेकिन उस अनुरूप सफलता नहीं मिली है। अब बड़े निवेशक और उद्यमी बिहार आने लगे हैं। सीएम नीतीश ने आगे कहा कि अब उन्हें विश्वास है कि बिहार का उद्योग भी बहुत अच्छा होगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इसका श्रेय उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन को जाता है। उन्होंने काफी मेहनत की है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बिहार इथेनॉल उत्पादन में देश का नंबर वन राज्य बनेगा। अधिवेशन भवन में आयोजित कार्यक्रम में रूपा और टीटी कंपनी के अध्यक्षों समेत अन्य उद्यमियों ने इस नीति को बेहतर बताया और कहा कि बिहार में अब निवेश आने लगा है।

वहीं सीएम नीतीश कुमार ने इस दौरान कहा कि निवेशक चाहें तो हमें सुझाव दे सकते हैं, हम हर मुमकिन मदद करेंगे, चाहे वो जमीन की बात हो या पैसे की, सबमें मदद की जाएगी। किसी बात के लिए, बिहार से बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी।

सीएम नीतीश ने कहा कि हम लोगों ने पहले बहुत कोशिश की लेकिन कुछ नहीं हुआ। लेकिन अब तेजी से बातें आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने भी काफी मेहनत की है। देशभर में लोगों से मुलाकात की है। हम चाहते हैं, ये यूं ही घूमते रहें और लोगों को बुलाएं।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि अब बिहार में लोगों को काम करने का अच्छा मौका मिलेगा। आप मदद करेंगे तो बिहार आगे बढ़ जाएगा। सीएम ने आगे कहा कि मत भूलिए, बिहार सबसे पुरानी जगह, अब इसको आगे बढ़ाना है। सीएम नीतीश ने कहा कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य में बेहतर कर रहे हैं तो उद्योग में भी कुछ हो जाए तो अच्छा होगा।

बिहार में शांति-सौहार्द है, धर्मांतरण कानून की जरूरत नहीं : सीएम नीतीश

पटना, 08 जून (का.सं.)। बिहार में बीजेपी के साथ गठबंधन में सरकार चला रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साफ कर दिया है कि राज्य में धर्मांतरण विरोधी कानून की कोई जरूरत नहीं है। सीएम नीतीश कुमार का कहना है कि बिहार में पूरी तरह एकता है और सभी समुदाय के लोग शांति से एकसाथ रह रहे हैं। वहीं सीएम नीतीश के इस बयान से कुछ दिनों पहले गठबंधन पार्टनर भाजपा के फायरब्रांड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में धर्मांतरण विरोधी कड़े कानून की मांग उठाई थी। इसके अलावा भी भाजपा के कई नेता कानून को बनाने की मांग करते आए हैं, लेकिन सीएम नीतीश के इस बयान ने साफ कर दिया है कि जेडीयू अपनी गठबंधन साथी भाजपा के इस एजेंडे में सहमती नहीं रखती है।

सीएम नीतीश कुमार ने एक पत्रकार के सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि जिस राज्य में सरकार अलर्ट है और सभी धर्म के लोग शांति से रह रहे है, वहां धर्मांतरण विरोधी कानून की कोई जरूरत नहीं है। वहीं हिंदुओं के धर्म बदलने के कुछ मामलों की रिपोर्ट्स को लेकर सीएम नीतीश ने कहा कि इस मामले में सरकार पूरी तरह अलर्ट है। बिहार में समुदायों के बीच कोई झगड़ा नहीं है। सभी तरह की आस्था वाले लोग शांति से रह रहे हैं। उनके लिए कोई परेशानी नहीं है। हमने अपना काम कुशलता से किया है। इसलिए यहां इस तरह के कदम की जरूरत नहीं है। सरकार की सतर्कता ने सुनिश्चित किया है कि राज्य में कोई सांप्रदायिक तनाव न हो।

बिहार की सियासत से केंद्र तक पहुंचने वाले मोदी सरकार में मंत्री गिरिराज सिंह हाल ही में जब बिहार बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति में शामिल हुए थे तो उन्होंने यूपी, हरियाणा जैसे अन्य राज्यों की तरह बिहार में भी धर्मांतरण विरोधी कड़ा कानून बनाने की मांग की थी। साथ ही बिहार के बेगुसराय से सांसद गिरिराज सिंह ने कहा था कि अल्पसंख्यक शब्द को खत्म कर देना चाहिए। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि अब मुसलमानों को खुद को बहुमत में समझना चाहिए।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TORSA MORNING
Draw No:80 DrawDate on:08/06/22
1st Prize ₹1 Crore/- 50E 01141
Cons. Prize Rs.1000/- 01141 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
05320 09805 25739 46777 48522 66808 73676 74872 90498 99558
3rd Prize ₹450/-
1840 4978 5187 5235 5806 6201 6396 6751 7260 7789
4th Prize ₹250/-
0066 0905 1340 1362 2295 2711 4316 4971 6117 8583
5th Prize ₹120/-
0121 0135 0315 0351 0647 0951 1153 1177 1252 1376
1442 1517 1729 1836 1882 1917 1950 1990 2031 2075
2136 2199 2319 2320 2503 2656 2919 3226 3286 3321
3347 3388 3401 3543 3629 3685 3916 4150 4156 4621
4798 4943 5282 5286 5293 5339 5422 5478 5525 5794
6068 6076 6171 6202 6228 6247 6392 6397 6640 6675
6676 6900 6924 6977 7131 7167 7201 7311 7419 7430
7452 7735 7748 7798 7846 7927 7960 8029 8195 8201
8289 8405 8460 8595 9056 9064 9113 9114 9235 9268
9356 9360 9373 9379 9500 9552 9598 9696 9715 9943
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MERCURY WEDNESDAY
Draw No:80 DrawDate on:08/06/22
1st Prize ₹1 Crore/- 78G 32304
Cons. Prize Rs.1000/- 32304 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
06834 09016 21403 30569 67168 70757 76938 83405 94704 97237
3rd Prize ₹450/-
0221 0311 1226 3129 4225 4452 7089 7513 7747 7911
4th Prize ₹250/-
0630 1216 1340 3338 3374 5216 7704 9026 9048 9150
5th Prize ₹120/-
0149 0252 0309 0527 0530 0639 0657 0680 0791 0823
0934 1031 1032 1104 1316 1320 1356 1374 1502 1732
2123 2228 2318 2422 2426 2504 2646 2906 2955 3045
3389 3549 3664 3704 3723 3856 4165 4214 4221 4278
4387 4421 4497 4531 4560 4653 4789 5045 5120 5268
5344 5422 5532 5564 5602 5612 5742 5916 6295 6353
6473 6478 6491 6594 6888 7191 7228 7260 7265 7418
7524 7565 7570 7625 7640 7647 7686 7739 7799 7807
7862 7925 8062 8074 8664 8783 8790 8930 8948 9199
9281 9419 9439 9756 9813 9815 9816 9880 9900 9987
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR EAGLE EVENING
Draw No:180 DrawDate on:08/06/22
1st Prize ₹1 Crore/- 75H 63514
Cons. Prize Rs.1000/- 63514 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
11977 21242 34188 40237 40967 46370 50211 67936 71059 84483
3rd Prize ₹450/-
0401 0909 1323 2515 2689 4151 6084 7289 7609 9337
4th Prize ₹250/-
1360 2098 4068 5771 6800 7649 7653 8829 9192 9339
5th Prize ₹120/-
0110 0160 0187 0256 0360 0482 0546 0676 0882 1020
1071 1130 1164 1210 1717 1883 1897 2177 2409 2417
2466 2471 2472 2653 2980 3025 3090 3260 3423 3445
3449 3533 3613 3701 3742 3785 3817 3843 3935 4104
4353 4358 4379 4425 4477 4512 4776 5051 5130 5218
5221 5387 5657 5729 5801 5910 5911 6152 6283 6343
6479 6578 6617 6648 6676 6702 6791 6793 6877 6908
6946 6964 7035 7220 7259 7293 7477 7488 7691 7876
7957 8029 8034 8079 8148 8286 8349 8368 8572 8613
8990 9108 9118 9183 9229 9369 9608 9717 9867 9989
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

नकेल कसने का समय

अपने प्रवक्ताओं के बिगड़े बोल के चलते देश-विदेश में हो रही फजीहत से परेशान बीजेपी ने इनके खिलाफ एक्शन क्या लिया, उसके खिलाफ एक और बड़ा मोर्चा खुल गया। सोमवार को जैसे-जैसे पार्टी प्रवक्ता नूपुर शर्मा और नवीन कुमार जिंदल के खिलाफ कार्रवाई की खबर फैली, ट्विटर पर बीजेपी समर्थकों की फौज के सिपाही अपनी ही पार्टी को लानत भेजने लगे। देखते-देखते 'शेम ऑन बीजेपी' का हैशटैग ट्रेंड करने लगा। इससे पहले अलग-अलग मौकों पर बीजेपी के नेता भी इस ट्रोल आर्मी के गुस्से का शिकार हुए हैं, लेकिन यह संभवत: पहला मौका है, जब बतौर पार्टी बीजेपी को ही निशाने पर ले लिया गया हो। माना जाता रहा है कि इस ट्रोल आर्मी का नियंत्रण अनौपचारिक तौर पर ही सही, लेकिन बीजेपी से जुड़े लोगों के हाथों में है। इसका टारगेट भी वैसे ही लोग होते रहे हैं, जो बीजेपी या सरकार के फैसलों में किसी कारण बाधा बनते नजर आते हैं। मगर सोमवार को हैशटैग 'शेम ऑन बीजेपी' का ट्रेंड करना संकेत देता है कि संभवत: इस ट्रोल आर्मी पर सत्तारूढ़ पार्टी की पकड़ कमजोर हो रही है। वैसे भी इतिहास गवाह है, ऐसे कट्टरपंथी ट्रेंड चाहे जिसके भी द्वारा शुरू किए और पाले पोसे जाएं वे ज्यादा समय तक काबू में नहीं रहते। यही समय है जब बेकाबू होने को कसमसाती इस प्रवृत्ति की नकेल निर्णायक तौर पर कस दी जाए। समझना जरूरी है कि बीजेपी प्रवक्ताओं के जिन बयानों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की किरकिरी कराई, वे यों ही नहीं आ गए। उसकी पृष्ठभूमि काफी पहले से तैयार हो रही थी। पिछले कुछ समय से देश में ऐसा माहौल बना हुआ है कि हिंदुत्व से प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर जुड़े किसी मसले पर कोई कुछ भी बोल दे, कुछ भी कर दे चलता है। यहां तक कि कुछ एजेंसियां निष्पक्षता का दिखावा करना भी गैर-जरूरी समझने लगी हैं। घरों पर बुलडोजर चलाने, इतिहास के प्रफेसर और यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स पर मुकदमे ठोकने, नॉनवेज खाना बेचते ठेले वालों को भगाने, हलाल मीट और नमाज पढ़ने की जगहों को लेकर विवाद खड़ा करने और निचली अदालतों में 'यह मस्जिद तो मंदिर है' की याचिकाएं स्वीकार किए जाने जैसी तमाम बातें वह माहौल तैयार कर रही थीं, जिसमें सत्तारूढ़ पार्टी की किसी प्रवक्ता को यह लगे कि 'मेरे आराध्य शिवलिंग' के बारे में अनापशनाप बातें कही जा रही हैं और इसलिए गुस्से में आकर वह किसी और धर्म के लोगों को ठेस पहुंचाने वाली बातें कह दे। इस सबका इकलौता कारण है पार्टी और सरकार के सर्वोच्च स्तर का ढीला-ढाला रवैया। इलाज भी इसका यही है कि सर्वोच्च नेतृत्व की तरफ से स्पष्ट संकेत जाए कि ऐसा रवैया नहीं चलेगा और जो भी सरकारी अधिकारी, कर्मचारी या पार्टी के नेता, कार्यकर्ता इस संकेत की अनदेखी करें उनके खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई हो।

विमानन के क्षिजित पर नई सुबह

ज्योतिरादित्य सिंधिया
केंद्रीय मंत्री

जब भारत की पहली व्यावसायिक उड़ान ने सन 1911 में इलाहाबाद से नैनी तक उड़ान भरी, तब दुनिया को भारत जैसे कीमत के मामले में संवेदनशील और उभरते बाजार में उड्डयन क्षेत्र में किसी उल्लेखनीय विकास की उम्मीद कम ही थी। हालांकि, समय के साथ भारत के उभरते मध्यवर्ग ने परिवहन के इस साधन को अपनाया और इसी क्रम में बड़े पैमाने पर किफायत की वजह से हवाई किराये में गिरावट भी आई। कुल मिलाकर, वर्ष 2016 तक की भारतीय नागरिक उड्डयन क्षेत्र के विकास की यही कहानी है।

वर्ष 2016 में इस क्षेत्र में एक आमूल बदलाव हुआ। हवाई अड्डों के दरवाजे पहली बार उड़ान भरने वालों के लिए खोल दिए गए। पहली बार उड़ान भरने वालों में ज्यादातर हवाई चख्रपल पहनने वाले, यानी भारत के गरीब से लेकर निम्न मध्यवर्गीय लोग थे। निश्चित रूप से यह रुझान केवल शहरों में रहने वालों तक सीमित नहीं था। दरभंगा, झारसुगुड़ा व किशनगढ़ जैसे शहरों का पहले भारत के विमानन मानचित्र पर नामोनिशान तक न था, ऐसी जगहों पर छोटे-छोटे हवाई अड्डे शुरू हो गए। दरभंगा व झारसुगुड़ा, दोनों हवाई अड्डों ने पिछले एक साल में क्रमश: 5.75 लाख और 2.4 लाख यात्रियों की सेवा की है।

यह वह बदलाव है, जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व ने नीति निर्माण के समेकित दृष्टिकोण के तहत की है और जिसने वाकई समाज के सबसे निचले तबके के लोगों को लाभान्वित किया है। 2016 में उड़ान योजना के माध्यम से हवाई यात्रा के लोकतंत्रीकरण की शुरुआत और हालिया हेली-नीति, नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में सरकार की दो सबसे बड़ी उपलब्धियां हैं। पिछले आठ वर्षों में (70 वर्षों में 74 हवाई अड्डों की तुलना में) भारत के पहले वाटर एयरोड्रॉम सहित 67 से अधिक हवाई अड्डों के साथ 90 लाख से अधिक यात्रियों ने उड़ान योजना के तहत विभिन्न उड़ानों के जरिये 419 उन नए मार्गों पर यात्रा की, जो साल 2014 तक नागरिक उड्डयन के दायरे से बाहर थे।

इस लोकतंत्रीकरण का मतलब किसी भी तरह से एयरलाइन उद्योग के विकास के साथ कोई समझौता करना नहीं था। घरेलू यात्रा करने वाले यात्रियों की वार्षिक संख्या 2013-14 में छह करोड़ से बढ़कर 2019-20 में 14.10 करोड़ तक पहुंच गई और 2023-24 तक इस संख्या के 40 करोड़ तक पहुंच जाने की उम्मीद है। उच्च लागत और अति-नियमन से बुरी तरह प्रभावित इस क्षेत्र में एक समय कंपनियों के लिए न सिर्फ प्रवेश करना कठिन हो गया था, बल्कि प्रवेश करने के बाद विमानन कंपनियों के लिए खुद को बनाए रखना और भी कठिन हो गया था।

पहले माहौल इतना प्रतिकूल था कि वर्ष 2005 से लेकर 2013 के बीच आधा दर्जन एयरलाइन कंपनियों को अपना कारोबार बंद करने पर मजबूर होना पड़ा, लेकिन 2014 के बाद इस सरकार के न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन के आदर्श वाक्य ने इस परिदृश्य को उलटकर रख दिया। निरर्थकता और अक्षमताओं को लगभग समाप्त कर दिया गया है। हमारे नियामकों, डीजीसीए और बीसीएएस ने अधिकांश प्रक्रियाओं को ऑनलाइन कर दिया है। घाटे में चल रही सरकारी एयरलाइन, एयर इंडिया के निजीकरण को अंतत: इस साल एक जीत में बदल दिया गया और परिपाटी के उलट जाकर 11 नई क्षेत्रीय एयरलाइन शुरू हुई हैं। इसके अलावा, दो नई एयरलाइन जल्द ही अपना परिचालन शुरू करने जा रही हैं।

इस क्षेत्र में तेजी के इस नए रुख को हवाई अड्डे से संबंधित बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर सरकारी एवं निजी निवेश द्वारा पूरक बनाया गया है। वर्ष 1999-2013 की अवधि में, सिर्फ तीन ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों का परिचालन शुरू किया गया था। इसके उलट पिछले आठ वर्षों में आठ नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे बनकर तैयार हुए हैं। इसके अलावा, इस वर्ष दो और हवाई अड्डे बनकर तैयार हो जाएंगे। यहां तक कि कोविड-19 का असर भी कैपेक्स पाइपलाइन के 93,000 करोड़ रुपये के व्यापक निवेश के माध्यम से हवाई अड्डों के विस्तार की हमारी योजनाओं में बाधक नहीं बन सकेगा। हवाई सेवा विस्तार की ये योजनाएं इस तरह से बनाई जाएंगी कि भारत में न सिर्फ बुनियादी ढांचे, बल्कि शहरों के बीच परस्पर जुड़ाव में भी उछाल आएगा। अपने प्रमुख हवाई अड्डों को एविएशन हब में बदलकर, ज्यादा बड़े आकार वाले विमान लाकर और अपने द्विपक्षीय समझौतों पर फिर से विचार करके अमेरिका, ब्रिटेन, अफ्रीका और सुदूर यूरोप के लिए सीधे अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को प्रोत्साहित किया जाएगा।

दूसरा आमूल बदलाव इस क्षेत्र में एक नए संपूर्ण-सरकारी दृष्टिकोण के रूप में हुआ है, जिसने अब पूरे विमानन परिवेश या इकोसिस्टम पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। सरकार का नजरिया व्यापक हुआ है। फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन, ड्रोन, एयर कार्गो, एमआरओ, एयरक्राफ्ट लीजिंग आदि जैसे अब तक अनछुए संबद्ध क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर आर्थिक एवं रोजगार सृजन क्षमता की दृष्टि से देखा जा रहा है। नया ड्रोन नियम 2021, नई एफटीओ नीति, नई एमआरओ नीति जैसी उदार नीतियों के साथ-साथ उपयुक्त प्रोत्साहन ने भारत में इन उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए बढ़िया जमीन तैयार कर दी है। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र नागरिक उड्डयन और पर्यटन को भारत के विकास के नए इंजन के रूप उभरने में समर्थ बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। भारत को ड्रोन के मामले में विश्व में अग्रणी बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण की वजह से ड्रोन क्षेत्र ने भारत में एक क्रांति की शुरुआत की है। बदलाव की इस गति से उत्साहित, ई-वीटीओएल भी जल्द ही भारतीय आसमान में उड़ान भरेंगे और आने वाले दिनों में कम दूरी की हवाई यात्रा के परिदृश्य को पूरी तरह बदल देंगे। नए क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके, ट्राइट नीति की व्यवस्था को समाप्त कर, निजी भागीदारी से दक्षता सुनिश्चित कर, नए बाजारों की तलाश और मांग का सृजन कर नागरिक उड्डयन की नई नींव रखी जा रही है। जैसे-जैसे भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे यह घरेलू विमानन बाजार के मामले में भी सर्वश्रेष्ठ होने का खिताब हासिल करने की दिशा में तत्पर है।

सिविल सेवा में छोटे शहरों की धमक

केएस तोमर

इससे कोई इनकार नहीं कर सकता कि सिविल सेवा के अधिकारी केंद्र एवं राज्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और यह सच्चाई तबसे प्रचलित है, जब 19वीं सदी में इसकी स्थापना की गई थी और इसे आईएएस के बजाय आईसीएस कहा जाता था। लॉर्ड कार्नवालिस को आधुनिक भारतीय सिविल सेवा का जनक कहा जाता है। अंग्रेज आईसीएस को भारतीय प्रशासन का स्टील फ्रेम कहते थे। वर्ष 1924 में यूपीएससी की स्थापना की गई और उसे इस प्रतिष्ठित सेवा के अधिकारियों के चयन का काम सौंपा गया।

यदि कोई यह मानता है कि केंद्र और राज्यों में नौकरशाही का शासन नहीं है, तो वह गलत है, इसे रोजमर्रा के जीवन में देखा जा सकता है। किसी भी शासन की सफलता सिविल सेवा के अधिकारियों के संचालन पर निर्भर करती है। यह ब्रिटिश राज से हमें विरासत में मिली है, जो आज भी बदली नहीं है। यह एक तथ्य है कि अधिकांश राजनेता, जो शासन में होते हैं, उनके पास अनुभव, निर्णय लेने की क्षमता, फाइल कार्य, तकनीकी, नियमों और विनियमों आदि का ज्ञान नहीं हो सकता है, इसलिए नौकरशाह उनके मार्गदर्शक बन जाते हैं, जो उन पर उनकी निर्भरता बढ़ाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि कोई भी शासन तभी सफल हो सकता है, जब उसके पास प्रतिबद्ध, समर्पित और ईमानदार आईएएस अधिकारी हों, यदि ऐसा नहीं है, तो विफलता निश्चित है। अभी संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा, 2021 के अंतिम परिणामों में शीर्ष स्थान पर महिलाएं ही चुनी गई हैं, जिनके नाम क्रमश: श्रुति शर्मा, अंकिता अग्रवाल और गामिनी सिंगला हैं। वर्ष 2021 में परीक्षा उतीर्ण करने वाले कुल उम्मीदवारों में 508 पुरुष एवं 177 महिलाएं हैं।

वर्ष 2011 से सिविल सेवा योग्यता परीक्षा की शुरुआत, प्रचुर प्रतिभा, कठिन मेहनत, महत्वाकांक्षा, प्रतिबद्धता एवं उत्साह के कारण बड़ी संख्या में छोटे शहरों एवं ग्रामीण इलाकों के गैर-अंग्रेजी भाषी उम्मीदवार अंतिम रूप से चयनित होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि गैर-अंग्रेजी भाषी विश्वविद्यालयों और छोटे शहरों के उम्मीदवारों की सफलता सिविल सेवा परीक्षाओं में एक स्थायी विशेषता बन गई है, हालांकि कई अंतर्निहित कमजोरियों और वंचना के कारण यह बहुत उत्साहजनक नहीं है।

एक आकलन के अनुसार, गैर-अंग्रेजी पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों की संख्या 2008 में 48.4 प्रतिशत थी, जो घटकर 2017 में केवल 8.7 प्रतिशत रह गई, लेकिन यूपीएससी अधिकारियों ने इन संख्याओं की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। विशेषज्ञों और शिक्षाविदों का मानना है कि यूपीएससी को अपने चुने गए उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि का विश्लेषण करें, जिसमें क्षेत्रीय, भाषायी और शैक्षिक क्षमता शामिल है। उन्हें लगता है कि यह आवश्यक है, क्योंकि एक तरफ सरकार सिविल सेवाओं के भीतर क्षेत्रगत विशेषज्ञता पर जोर दे रही है, जबकि दूसरी तरफ यह समान पृष्ठभूमि से इंजीनियरों या डॉक्टरों को लेती रहती है।

केंद्र सरकार राज्य सरकारों को राज्य स्तरीय लोक सेवा परीक्षा के लिए नए पाठ्यक्रम शुरू करने की सलाह देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, जो सिविल सेवाओं के अनुरूप है, जिससे आईएएस उम्मीदवारों की बुनियाद तैयार की जा सकती है, जो आत्मविश्वास के अलावा उन्हें बेहतर ढंग से तैयार करेंगे। अब तक राज्य सरकारों ने आईएस पैटर्न नहीं अपनाया है, जिससे करोड़ों वैसे छात्र नौकरी से वंचित रह जाते हैं, जिन्हें पुराने पैटर्न के आधार पर कई वर्षों की तैयारी को छोड़ना पड़ता है, क्योंकि यह अगले स्तर की सिविल सेवा परीक्षा के लिए पूरी तरह से अप्रासंगिक है।

हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष और भारत में राज्य लोक सेवाओं के सभी अध्यक्षों की स्थायी समिति के पूर्व अध्यक्ष के रूप में, इस लेखक को हिमाचल प्रशासनिक सेवा पाठ्यक्रम को आईएएस पैटर्न में तब्दील करने का अवसर मिला, जिसने छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के उम्मीदवारों की काफी मदद की। भारत के कई राज्य लोक सेवा आयोगों द्वारा उस पैटर्न को लागू किया जा रहा है, क्योंकि यह सिविल सेवाओं की नींव बनाने में बहुत योगदान दे रहा है, खासकर तब, जब विभिन्न राज्य आयोगों के पाठ्यक्रम सिविल सेवाओं की तैयारी के लिए अप्रासंगिक थे।

दूसरी बात, इस लेखक ने अंग्रेजी या हिंदी में साक्षात्कार का विकल्प पेश किया, जिसने ग्रामीण उम्मीदवारों के सिविल सेवाओं में सफलता अनुपात में वृद्धि हुई। ऐसा ही उन राज्यों में भी देखा गया, जो एचपीएससी का अनुसरण करते थे। तीसरी बात, आंकड़ों से पता चला कि आईएएस परीक्षा में सफलता उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता या शैक्षणिक पृष्ठभूमि पर निर्भर नहीं करती है। यह काफी हद तक एकांगी निष्ठा, समर्पण और अनुशासन के साथ यूपीएससी की तैयारी पर निर्भर करती है।

अधिकतम अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली आदि राज्यों से चुने जाते हैं और तीन साल के आंकड़े से पता चलता है कि चयनित उम्मीदवारों में से 40 प्रतिशत इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले थे, क्योंकि उन्हें अच्छे अंक दिलाने वाले विषयों का चयन करने में फायदा होता है। यूपीएससी के विविधीकरण के प्रयासों के बावजूद, देश की नई सिविल सेवाओं में अभी इंजीनियरों का हिस्सा 60 प्रतिशत है। यूपीएससी के पूर्व अध्यक्षों का कहना है कि अंग्रेजी माध्यम और निजी स्कूलों की पृष्ठभूमि न होना छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के उम्मीदवारों के लिए आईएएस अधिकारी बनने में बाधा नहीं बना है, अन्यथा इसे पहले बड़ा कलंक माना जाता रहा है।

उन्हें लगता है कि अमीर और कुलीन वर्ग के उम्मीदवारों के कोचिंग करने का एक फायदा है, लेकिन समाज के अन्य समूहों के उम्मीदवारों की प्रतिभा और कड़ी मेहनत के कारण अंतर कम हो गया है। हमारे लोकतंत्र के अन्य भ्रष्ट स्तंभों की तरह नौकरशाही भी स्वाभाविक रूप से भ्रष्ट हो गई है। हालांकि कई ईमानदार अधिकारी हैं, लेकिन कई घोटाले सामने आए हैं, जो राजनीतिक आकाओं के साथ आईएएस अधिकारियों की संलिप्तता साबित करते हैं। विशेषज्ञ इस बात पर एकमत हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा के लिए समर्पण और प्रतिबद्धता की भावना पैदा करने के लिए युवा आईएएस अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण की सख्त आवश्यकता है, जो समाज के जरूरतमंद वर्गों की शिकायतों के बेहतर निवारण में मदद करेगा।

संबंधों को नया आयाम

लोकेश कुमार

भारत ने अफ्रीकी देशों के साथ अपने सदियों पुराने राजनैतिक, सामजिक एवं आर्थिक संबंधों को निरंतर कूटनीतिक पहलों के माध्यम से मजबूत करने के प्रयास किए हैं।

इसी का परिणाम है कि वैश्विक संकट के समय में अफ्रीकी महाद्वीप तक पहुंचने में भारत की सक्रियता की सराहना कई अफ्रीकी देशों ने की है। कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने की भारत की मिशन सागर एवं मानवीय सहायता पहल कार्यक्रम ने भारत-अफ्रीका संबंध को पहले की तुलना में ओर अधिक मजबूत बना दिया है।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू 30 मई से 3 जून, 2022 तक अफ्रीकी देशों गैबॉन और सेनेगल की पांच दिवसीय यात्रा से स्वदेश लौट आए हैं। उपराष्ट्रपति के स्तर पर इन देशों में भारत की यह पहली यात्रा रही। अपनी यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति नायडू ने गैबॉन के प्रधानमंत्री एच.ई. रोज क्रिस्टियन ओसौका रापोंडा, राष्ट्रपति एच.ई. अली बोंगो ओंडिम्बा समेत गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात की। व्यापारिक समुदाय के साथ ही गैबॉन में रहे लगभग 800 भारतीय प्रवासियों को भी संबोधित किया। ये प्रवासी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, व्यापार और लकड़ी और धातु स्क्रैप के निर्यात में लगे हुए हैं। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने दोनों पक्षों के बीच व्यापार, निवेश, ऊर्जा, आईसीटी, क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक श्रृंखला बनाने की बात की। उन्होंने उन पचास से अधिक भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधियों से भी बात की जो गैबॉन स्पेशल इकोनॉमिक जोन (जीएसईजेड) में कार्यरत हैं। दोनों पक्षों ने संयुक्त आयोग और राजनयिकों के प्रशिक्षण की स्थापना के लिए दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

भारत और गैबॉन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के गैर-स्थायी सदस्य हैं। 2021-22 में दोनों देशों के बीच 1.12 अमेरिकी डॉलर द्विपक्षीय व्यापार रहा। भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) और आईसीसीआर योजनाओं के तहत गैबॉन नागरिक भारत में छात्रवृत्ति एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत शिक्षा प्राप्त करते हैं। उपराष्ट्रपति एक से 3 जून तक सेनेगल की यात्रा पर रहे। इस दौरान सेनेगल के राष्ट्रपति राष्ट्रपति और नेशनल असेंबली के अध्यक्ष एच.ई. श्री मुस्तफा निया से प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। व्यापार गोलमेज सम्मेलन में शिरकत की। भारतीय समुदाय को भी संबोधित किया। इस वर्ष भारत और सेनेगल राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वषर्गांठ मना रहे हैं। इस दौरान द्विपक्षीय साझेदारी को और गहरा करने के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। पहला समझौता ज्ञापन राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा मुक्त शासन से संबंधित है। दूसरा समझौता सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (सीईपी) के नवीनीकरण से संबंधित है। तीसरा समझौता ज्ञापन युवा मामलों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का प्रयास करता है। भारत और सेनेगल की आबादी अपेक्षाकृत युवा है।

उपराष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि यह समझौता युवाओं के माध्यम से दोनों देशों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी होगा। उन्होंने कहा कि अफ्रीका के आदर्श लोकतंत्रों में शुमार सेनेगल और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत के साझा मूल्य दोनों देशों के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंधों के आधार हैं। उपराष्ट्रपति ने प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत-सेनेगल के व्यापार में कोविड-19 महामारी के बावजूद पिछले एक वर्ष के दौरान 37ज की वृद्धि के साथ द्विपक्षीय व्यापार 2021-22 में 1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में 350 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल 16 लाइन ऑफ क्रेडिट और लगभग 305 मिलियन अमेरिकी डॉलर की क्रेता क्रेडिट की पेशकश की है। उन्होंने विशेष रूप से कृषि, तेल और गैस, स्वास्थ्य, रेलवे, खनन, रक्षा, हरित ऊर्जा आदि के क्षेत्रों में व्यापार टोकरी में विविधता लाने का आह्वान किया। अफ्रीकी देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंध बताते हैं कि भारत इस महाद्वीप में अधिक रुचि रखता है। 2019-20 में भारत-अफ्रीका व्यापार बढ़कर लगभग 66.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। लगभग 8ज भारतीय आयात अफ्रीका से और लगभग 9ज अफ्रीका का आयात भारत से होता है।

हाल के वर्षो में, भारत ने ऋण और निवेश के अलावा, कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए प्रोजेक्ट मौसम, मिशन सागर आदि के माध्यम से अफ्रीका को पर्याप्त सहायता भी दी है। वैक्सीन मैत्री पहल के तहत भारत ने अफ्रीका के 42 देशों को मेड ऑफ इंडिया कोविड टीकों की 24.7 मिलियन खुराक की आपूर्ति की है। यह बताता है कि भारत अफ्रीका के साथ सार्थक रूप से जुड़ना चाहता है। अफ्रीका में लोकतांत्रिक प्रथाओं, प्रक्रियाओं, संस्थानों और लोगों से लोगों के जुड़ाव के लिए भारत के समर्थन का आकषर्ण ही अलग है। भारत को वहां भाषा और सांस्कृतिक आत्मीयता का भी फायदा मिल रहा है। किसी भी अन्य भाषा की तुलना में अफ्रीकी देशों में लोगों के बीच अंग्रेजी अधिक प्रचलित है, जिससे भारतीयों के लिए अफ्रीकी लोगों के साथ बातचीत करना आसान हो गया है। अफ्रीका में 3 मिलियन से अधिक भारतीय प्रवासी भी भारत के लिए अफ्रीकी देशों के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए महत्त्वपूर्ण रणनीतिक संपत्ति साबित होते हैं। अफ्रीका में आधा दर्जन से अधिक देश विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। सेनेगल और तंजानिया, इसे दुनिया के विकास ध्रुवों में शुमार कराते हैं। अफ्रीकी महाद्वीप की आबादी एक अरब से अधिक है, जिसकी संयुक्त जीडीपी 2.5 ट्रिलियन डॉलर है, जो इसे एक बड़ा बाजार बनाती है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए भारत अफ्रीका के साथ संबंध मजबूत करने की दिशा में प्रयासरत है। 2008 में शुरू की गई भारत की शुल्क-मुक्त टैरिफ तरजीही योजना से 33 अफ्रीकी राष्ट्रों को लाभ हुआ है। भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन-अफ्रीकी-भारतीय संबंधों के लिए आधिकारिक मंच-भी इस निर्माण प्रक्रिया में योगदान दे रहा है। अतीत में हिंद महासागर में भौगोलिक निकटता और आसान नौगम्यता के परिणामस्वरूप यूरोपीय अन्वेषण से बहुत पहले भारत और अफ्रीका के बीच अच्छे व्यापार संबंध थे। भारत उन व्यापार संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए विभिन्न कूटनीतिक पहलों के माध्यम से निरंतर कार्य कर रहा है।

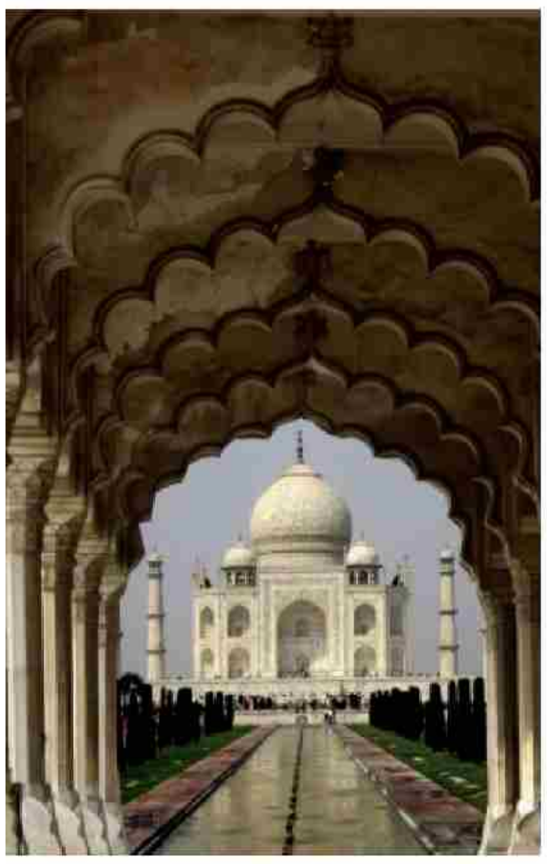

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भंलीभाति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुचनें में लगभग 40 मिनट लग सकते है, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालो की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नही है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जात्ता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जात्ते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे है तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते है। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाए पहुंचना आपको कार पार्किग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाडी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योंकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते है, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना हैं। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते है। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर ले या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते है। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहा बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहा आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहा की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते है। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किला: जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबाग: यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवत: आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नींव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नही जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में यात्री वाहन के खाई में गिरने से 22 लोगों की मौत

कराची (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के पर्वतीय बलूचिस्तान प्रांत में बुधवार को एक यात्री वाहन के सैकड़ों फुट गहरी खाई में गिरने से कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वाहन चालक किला सैफुल्ला के पास अख्तरजई के पर्वतीय इलाके में 1,572 मीटर की ऊंचाई पर एक तेज घुमावदार मोड़ से गुजरते वक्त वाहन को नियंत्रित करने में विफल रहा। 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार, घटना में एक बच्चे समेत 22 लोगों की मौत हो गई। उपायुक्त हाफिज मुहम्मद कासिम ने कहा कि यात्री बस जोब से लोरालिया जा रही थी। उन्होंने बताया, 'वाहन अख्तरजई के पास एक पहाड़ी की चोटी से गिर गया। हमने अब तक 10 शव बरामद किए हैं क्योंकि पहाड़ों में गहरी खाई के कारण बचाव अभियान में मुश्किल आ रही है।' आस-पास के अस्पतालों में अलर्ट जारी कर दिया गया है और बचाव अभियान में मदद के लिए क्वेटा से कई टीम को बुलाया गया है। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया और अधिकारियों से घायलों के लिए हर संभव चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का आग्रह किया तथा भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया। देश के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में दुर्गम और पर्वतीय इलाकों के कारण हर साल सड़क दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है।

रूस ने 210 यूक्रेनी लड़ाकों के शव लौटाए, युद्ध में गई कई आम नागरिकों की जान

कीव। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी ने कहा है कि रूस ने अब तक मारियुपोल की लड़ाई में मारे गए 210 यूक्रेनी लड़ाकों के शव लौटाए हैं। सैन्य खुफिया एजेंसी ने बताया कि इनमें से अधिकतर अजोवस्ताल स्टील संयंत्र में मारे गए थे। हालांकि, एजेंसी ने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी कि संयंत्र में अभी कितने और शव हो सकते हैं। तबाह हो चुके बंदरगाह शहर पर अब रूस का कब्जा है। रूस ने मारे गए यूक्रेनी लड़ाकों के शवों को पिछले सप्ताह लौटाना शुरू किया था। यूक्रेन ने शनिवार को कहा था कि अब तक दोनों पक्षों ने 320 शवों की अदला-बदली की है, दोनों को अपने नागरिकों के 160-160 शव मिले हैं। अभी स्पष्ट नहीं है कि रूस को इसके बाद और शव लौटाए गए या नहीं। रूस के स्टील संयंत्र पर पूरी तरह से कब्जा करने से पहले करीब तीन महीने तक यूक्रेनी लड़ाकों ने रूस के जमीनी, हवाई और समुद्र से किए गए हमलों का डटकर मुकाबला किया था।

जयशंकर बुधवार को ईरान के विदेश मंत्री के साथ बैठक करेंगे

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो पूर्व प्रवक्ताओं द्वारा पैगंबर मोहम्मद पर की गई कथित विवादास्पद टिप्पणी को लेकर पश्चिम एशियाई देशों में व्यापक आक्रोश के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को अपने ईरान के विदेश मंत्री हुसैन आमिर अब्दुल्लाहियन के साथ बैठक करेंगे। उल्लेखनीय है कि अब्दुल्लाहियन द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। अरब जगत में विवादित टिप्पणी के चलते सामने आई तीखी प्रतिक्रिया के बाद इस्लामिक सहयोग संगठन के किसी सदस्य देश के वरिष्ठ मंत्री की यह पहली भारत यात्रा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब्दुल्लाहियन नयी दिल्ली में बैठकों के बाद मुंबई और हैदराबाद की भी यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि जयशंकर और अब्दुल्लाहियन बुधवार दोपहर एक बजे बैठक करेंगे।

ईरान में बड़ा हादसा, पटरी से उतरी ट्रेन, 10 की मौत और 50 से ज्यादा घायल

तेहरान। पूर्वी ईरान में बुधवार तड़के एक यात्री ट्रेन के पटरी से उतरने से कम से कम 10 यात्रियों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। खबर के अनुसार, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। ताबास शहर के पास तड़के अंधेरे में ट्रेन के सात में से चार डिब्बे पटरी से उतर गए। एम्बुलेंस और तीन हेलीकॉप्टर में बचाव दल को सुदूर इलाके में भेजा जा रहा है। खबर में कहा गया है कि हादसा राजधानी तेहरान के लगभग 550 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में ताबास में हुआ।मामले की जांच की जा रही है।

विकासशील देशों को शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को पाने के लिए और अधिक समय की जरूरत : संयुक्त बयान

संयुक्त राष्ट्र। चीन समेत 10 देशों की ओर से जारी संयुक्त बयान में भारत ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि विकासशील देशों को गरीबी उन्मूलन और विकास के अपने लक्ष्यों के मद्देनजर शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए निर्धारित वर्ष 2050 से आगे बढ़कर अतिरिक्त समय दिए जाने की आवश्यकता है। बयान में कहा गया कि विकसित देशों को 2050 की निर्धारित समयसीमा में शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी.एस. तिरुमूर्ति ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत, बोलीविया, चीन, गैबॉन, ईरान, इराक, माली, निकारागुआ, पनामा और सीरिया की ओर से ''वैश्विक शून्य उत्सर्जन'' पर एक संयुक्त बयान दिया। तिरुमूर्ति द्वारा दिए गए संयुक्त बयान में कहा गया, ''हमें एक स्पष्ट मान्यता की आवश्यकता है कि विकासशील देशों को गरीबी उन्मूलन और विकास के अपने व्यापक लक्ष्यों के मद्देनजर शून्य कार्बन उत्सर्जन तक पहुंचने के लिए 2050 से अधिक समय की आवश्यकता होगी।'' उन्होंने बयान में कहा, ''यह स्पष्ट हो जाता है कि एक वैश्विक शून्य उत्सर्जन, जहां विकासशील देश शून्य उत्सर्जन तक पहुंचने में अधिक समय लेते हैं, केवल तभी प्राप्त किया जा सकता है जब विकसित देश 2050 से पहले इस लक्ष्य तक पहुंच जाए।

सनकी ने 100 लड़कियों पर सीरिंज से किया अटैक, अब सभी का किया जाएगा एचआईवी टेस्ट

पेरिस । फ्रांस में एक सनकी युवक पर भीड़ में सुई से हमला करने का आरोप है। दक्षिण फ्रांस में कई घटनाओं के सामने आने के बाद इस युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। शुक्रवार शाम को टौलॉन के रिवेरा समुद्री तट पर एक टीवी संगीत कार्यक्रम की शूटिंग के दौरान 20 लोगों ने सुई से घायल होने की सूचना दी थी। एक महिला को सुई से हमले के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इस मामले की जाच के दौरान कम से कम 100 लड़कियो पर सीरिंज से अटैक का खुलासा हुआ है। इन सभी का एचआईवी टेस्ट कराया जाएगा। इस शख्स पर गंभीर और पूर्वनियोजित सशस्त्र हिंसा का आरोप लगाया गया है। आरोपी ने हमले के आरोपों से इनकार किया है। उसके विरुद्ध गवाहों के पर्याप्त बयान हैं, जिनके आधार पर उसे अदालत में पेश किया जा सकता है। म्यूजिक फेस्टिवल की शूटिंग के दौरान नए मामले देखने को मिले हैं। पूर्वी फ्रांस के के बेलफोर्ट में एक उत्सव के दौरान 17-18 साल की उम्र के छह किशोरियों ने उनके हाथ और बाहों में अचानक तेज दर्द की शिकायत की है। वहीं, सात लड़कियों ने शूटिंग के दौरान नीडल हमले की शिकायत की है। यहीं से संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया था। पूरे देश के अलग-अलग शहरों से इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। अधिकतर पीड़ितों को ब्लड टेस्ट कराने के लिए कहा गया है। कुछ को एचआईवी और हेपेटाइटिस की निवारक दवाएं दी गई हैं। इस साल की शुरुआत से ही नीडल अटैक के लगभग 100 मामले सामने आ चुके हैं। लड़कियों को इसके जरिए निशाना बनाया जा रहा है। जिन लड़कियों को निशाना बनाया जाता है, उनमें सामान्य लक्षण दिखते हैं जैसे मतली, चक्कर आना और तेज दर्द। बाद में उन्हें अपनी त्वचा पर सुई चुभने के निशान पता चलते हैं। जहां सुई चुभोई जाती है वहां पर स्किन का रंग भी बदला हुआ दिखता है। इस हमले को लेकर लोग इसलिए डरे हैं, क्योंकि उन्हें नहीं पता कि किस तरह की सुई चुभोई जा रही है।

धरती से 19 गुना बड़ा सौर तूफान निकला, सात घंटे में ऐसा दिखा नजारा

वॉशिंगटन । सूर्य से लगातार भयानक रेडिएशन निकलते रहते हैं, लेकिन एरिज़ोना स्थित एक खगोलीय फोटोग्राफर ने सूर्य का एक बेहतरीन टाइम लैप्स बनाया है। इसमें शक्तिशाली सोलर फ्लेयर्स को सूरज से निकलते हुए देखा जा सकता है। फ्लोरेंस के रहने वाले एक फोटोग्राफर एंड्रयू मैककार्थी ने सूरज की सात घंटे में लगभग 10 लाख फोटो खींच कर ये वीडियो बनाया। एक विशेष दूरबीन के जरिए वह ऐसा करने में कामयाब रहे। मैककार्थी ने कहा कि इस अवधि में दो बड़ी सोलर फ्लेयर्स देखने को मिलीं। इस सोलर फ्लेयरस में सूरज से करीब 2.5 लाख किमी ऊपर तक रेडियोएक्टिव तत्व निकाले। उन्होंने कहा कि एक के ऊपर एक पृथ्वी को अगर रख दिया जाए तो ये 19 पृथ्वी के बराबर होगा। सूर्य से निकलने वाली सोलर फ्लेयर चुंबकीय शक्ति होती हैं। इसमें इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन जैसे एक्स रे, दिखने वाला प्रकाश और अल्ट्रावायलेट लाइट होती हैं। मैककार्थी ने कहा कि ये बेहद बड़ा था। इस सोलर को देख कर मैं बेहद रोमांचित हो उठा। ये बहुत चमकदार थे। जब मैंने इसे होते देखे तो तुरंत मैंने खगोलीय घटनाओं में रुचि रखने वाले साथियों को इसके बारे मे बताया। ये इतने शक्तिशाली थे कि धरती तक इनके कण पहुंच सकते हैं और ये सैटेलाइट को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि, ध्रुवीय इलाकों में इससे बहुत सुंदर आकाशी प्रकाश देखने को मिलेगा। हालांकि ये फ्लेयर धरती की ओर नहीं निकले हैं। मैककार्थी ने बताया कि उन्होंने 30 सेकंड का टाइमलैप्स बनाया था। 30 सेकंड का ये वीडियो करीब सात घंटे का है। उन्होंने आगे बताया कि खगोलविद जिस टेलीस्कोप का इस्तेमाल करने है उसमें स्पेशल फिल्टर लगे होते हैं, जिसके जरिए सूर्य को सीधे देखा जा सकता है।

सियोल में जापान के उपविदेश मंत्री टकीयो मोरी , दक्षिण कोरिया के उपविदेशमंत्री हयोन डांग व अमेरकी उपविदेशमंत्री वेंडी शेरमन तस्वीर के लिए पोज देते हुए।

न्यूयॉर्क में अब 21 साल से कम उम्र के लोग नहीं खरीद पाएंगे राइफल

-बंदूकबाजी की बढ़ती घटनाएं रोकने के लिए अमेरिका राज्य ने उठाया कदम

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने गोलीबारी की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर एक नए कानून पर दस्तखत किए हैं, जिसके तहत प्रांत में अब 21 साल से कम उम्र के लोग अर्ध स्वचालित राइफल नहीं खरीद पाएंगे। न्यूयॉर्क अमेरिका में गोलीबारी की घटनाओं को रोकने के लिए ऐसा बड़ा कदम उठाने वाला पहला प्रांत है। होचुल ने सार्वजनिक सुरक्षा संबंधी 10 विधेयकों पर हस्ताक्षर किए, जिसमें से एक के तहत नए आग्नेयास्त्रों पर 'माइक्रोस्टैम्पिंग' की आवश्यकता होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कानून के लागू होने से बंदूक संबंधी अपराधों में कमी आएगी। एक अन्य संशोधित कानून के तहत अदालत को उन लोगों के पास से अस्थायी रूप से बंदूक अपने कब्जे में लेने का अधिकार मिल गया है, जो खुद या दूसरों के लिए खतरा हो सकते हैं। होचुल ने ब्रोंक्स में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा न्यूयॉर्क में हम कड़े कदम उठा रहे हैं। हम कानूनों को कड़ा कर रहे हैं, ताकि बंदूकों को खतरनाक लोगों से दूर रखा जा सके।

हेट स्पीच से खफा अलकायदा ने दिल्ली, मुंबई और यूपी में दी आत्मघाती हमले की धमकी

काबुल (एजेंसी)।

पाकिस्तान से लेकर बांग्लादेश तक आतंकी हमले कर चुके आतंकवादी संगठन अलकायदा ने भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नुपूर शर्मा के पैगंबर को लेकर दिए बयान के बाद भारत को दहलाने की धमकी दी है। अलकायदा के सहयोगी संगठन अल-कायदा इन द इंडियन सब-कॉन्टीनेंट (एक्यूआईएस) ने कहा है कि वह पैगंबर का अपमान करने के लिए दिल्ली, मुंबई, यूपी और गुजरात में आत्मघाती बम हमले करेगा।

अलकायदा ने एक पत्र जारी करके कहा कि इन हमलों में वह हिंदुओं को निशाना बनाएगा। अलकायदा ने यह भी धमकी दी है कि वह पैगंबर के खिलाफ बोलने वाले हर शख्स की हत्या कर देगा। अलकायदा की इस धमकी के बीच विशेषज्ञ इसे हल्के में नहीं लेने की सलाह दे रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने भी हाल ही में चेतावनी दी है कि अलकायदा कश्मीर से लेकर पूरे भारत में अपनी गतिविधियां बढ़ा सकता है।

अलकायदा ने पहली बार भारत को यह धमकी नहीं दी है। इससे पहले भी वह ऐसी धमकियां दे चुका है। पिछले दिनों ही अलकायदा ने कश्मीर को लेकर भी भारत को धमकी दी थी। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद अलकायदा के निशाने पर भारत और कश्मीर है। अलकायदा को लग रहा है कि वह कश्मीर में हिंसा की आग को और तेज कर सकता है। ताजा धमकी में अलकायदा ने हिंदुओं को ही आतंकी करार दे दिया और दावा किया कि उन्होंने भारतीय जमीन पर कब्जा कर रखा है। अलकायदा ने चेतावनी दी कि हिंदुओं का उनकी सेना भी बचा नहीं पाएगी।

अलकायदा ने दावा किया और उपमहाद्वीप के लोगों को याद दिलाया कि उनके पैगंबर ने पहले ही गजवा-ए-हिंद के बारे में बताया था और भविष्यवाणी की थी कि इस जंग में मुसलमानों की जीत होगी। अलकायदा की इस धमकी के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने इसकी जांच शुरू कर दी है। एक्यूआईएस अलकायदा का सहयोगी आतंकी संगठन है, जिसकी स्थापना कुख्यात आतंकी अयमान अल जवाहिरी ने की थी। यह आतंकी संगठन अफगानिस्तान में सक्रिय है, जहां तालिबान का शासन है। तालिबान और अलकायदा के बीच इन दिनों खुलकर दोस्ती देखी जा रही है। इससे पहले तालिबान ने अमेरिका से वादा किया था कि वह अलकायदा के साथ कोई संबंध नहीं रखेगा। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा की अफगानिस्तान में बढ़ती सक्रियता के बाद अब भारत ने भी तालिबान साथ रिश्ते मजबूत करने पर बल दिया है और यही वजह है कि भारत के शीर्ष अधिकारियों के दल ने काबुल का दौरा भी किया था। अलकायदा के निशाने पर अब पूरी तरह से भारत आ गया है। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी ताजा रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि इस आतंकी संठन ने अपनी मैगजीन का नाम 'नवा-ए-अफगान जिहाज' से बदलकर नवा-ए-गजवा-ए-हिंद कर दिया है। इससे उसकी भविष्य की योजना का अनुमान लगाया जा सकता है। इस आतंकी गुट ने अब भारत में अपनी सक्रियता बढ़ाने की योजना तैयार कर ली है। इसी लिए एक्यूआईएस ने अपना ध्यान अफगानिस्तान से हटाकर कश्मीर की ओर केंद्रित कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि अलकायदा के अधीन होने के कारण एक्यूआईएस अफगानिस्तान में अधिक चर्चा में नहीं रहता, जहां उसके अधिकतर आतंकवादी मौजूद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक्यूआईएस के लड़ाकों में बांग्लादेश, भारत, म्यांमार और पाकिस्तान के नागरिक शामिल हैं। वे अफगानिस्तान के गजनी, हेलमंद, कांधार, निमरुज, पक्तिका और जाबुल प्रांतों में सक्रिय हैं। कांधार के शोराबक जिले में अक्टूबर 2015 में अमेरिका और अफगानिस्तान की ओर से एक्यूआईएस पर किए गए जोरदार हमले से हुए नुकसान के कारण इसे 'अब भी एक कमजोर संगठन' के रूप में आकलन किया जा रहा है। माना जा रहा है कि एक्यूआईएस को पैसे की दिक्कतों की वजह से कम आक्रामक रुख अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

परमाणु परीक्षण की खबरों के बीच अमेरिका के 20 लड़ाकू विमानों ने द. कोरिया के पश्चिमी तट के लगाए चक्कर

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया से तनाव के बीच दक्षिण कोरियाई सेना और अमेरिकी बल के 20 लड़ाकू जेट ने दक्षिण कोरिया के पश्चिमी तट पर चक्कर लगाए। इन लड़ाकू विमानों की उड़ान के पीछे यह मकसद रहा कि अगर उत्तर की ओर से कोई प्रतिक्रिया आती है, तो जवाबी कार्रवाई की जाएगी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स आफ स्टाफ ने कहा हवाई प्रदर्शन में 16 दक्षिण कोरियाई विमान शामिल थे, जिसमें एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट भी था। वहीं, चार अमेरिकी एफ-16 लड़ाकू जेट ने भी उड़ान भरी। इनका मकसद उत्तर कोरिया की भड़काऊ गतिविधियों का जवाब देने की क्षमता प्रदर्शित करना है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सेनाओं ने उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण के जवाब में सोमवार को आठ बैलिस्टिक मिसाइल को समुद्र में प्रक्षेपित की थीं। इन लड़ाकू विमानों की उड़ान के पीछे का मकसद उत्तर कोरिया के हमलों का तेजी से और सटीक जवाब देने की क्षमता का प्रदर्शन करना था। अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमन ने मंगलवार को चेतावनी दी कि अगर उत्तर कोरिया परमाणु परीक्षण करता है तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। वेंडी शेरमन इस समय दक्षिण कोरिया में हैं, जहां वह जापान और दक्षिण कोरिया के नेताओं से मुलाकात कर मौजूदा तनाव समेत कई मुद्दों पर चर्चा करेंगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर कोरिया अपने पूर्वोत्तर शहर पुंगये-री स्थित परमाणु परीक्षण क्षेत्र में एक और विस्फोट करने के लिए तैयार है। सियोल के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि प्योंगयांग के सैन्य उकसावों का सामना उचित प्रतिक्रियाओं से किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर कोरिया द्वारा एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) सहित 8 बैलिस्टिक मिसाइलों के टेस्ट फायरिंग के तुरंत बाद, दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने भी संयुक्त रूप से 8 मिसाइलों की टेस्ट फायरिंग की। यह 2017 के बाद दोनों देशों की पहली संयुक्त कार्रवाई थी।

महिला ने ऑनलाइन सेकंड हैंड सोफा मंगवाया, सोफे के कुशन से निकले 28 लाख रुपये

कैलिफोर्निया (एजेंसी)।

महिला ने ऑनलाइन एक सेकंड हैंड सोफा मंगवाया। घर पहुंचने के बाद सामान की जांच के दौरान हैरान करने वाला वाकया हुआ। दरअसल, सोफा के एक कुशन से उन्हें करीब 28 लाख रुपए मिले। मामला अमेरिका के कैलिफोर्निया का है। विक्की उमोडु नाम की एक महिला अपने नए घर के लिए ऑनलाइन फर्नीचर ढूंढ रही थी। एक वेबसाइट पर उन्हें दो सोफा और एक मैचिंग चेयर दिखी। वेबसाइट पर यह फ्री में अवेलेबल था।

उमोडु ने कहा- मुझे लगा है कि यह फेक होगा, लेकिन मैंने कॉल करने का फैसला किया। फ्री में फर्नीचर दे रही फैमिली ने बताया कि हाल ही में उनके एक करीबी की मौत हो गई है। इसलिए हम प्रॉपर्टी की सभी चीजों को हटा रहे हैं। उमोडु ने आगे कहा- मैं हाल ही में नए घर में शिफ्ट हुई हूं, और यहां कई सामान नहीं हैं। मैं बहुत एक्साइटेड थी, इसलिए मैंने उस सोफा को ले लिया। सोफा जब घर पहुंचा तो उसकी जांच करने लगीं। इसी दौरान कुशन में कुछ मिला। उमोडु ने इसके बारे में बताते हुए कहा- मुझे लगा वह एक हीट पैड है। फिर उन्होंने कुशन का चेन खोला तो वह हैरान रह गई। उसमें कई एनवेलप थे। जिसमें कैश में हजारों डॉलर भरे हुए थे। फैमिली ने बताया कि उसमें करीब 28 लाख रुपए थे।

मोदी से रिश्ते तोड़ें शहबाज शरीफ, नूपुर शर्मा के बयान पर विवाद के बाद इमरान ने दी नसीहत

-एक्यूआईएस ने दी धमकी-पैगंबर का अपमान करने वालों की हत्या करेंगे, थोड़ा इंतजार करो

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के बयान को लेकर अरब और इस्लामिक देशों में काफी गुस्सा नजर में आ रहा है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शहबाज सरकार से इस मामले पर स्टैंड लेने को कहा है। खान ने अरब देशों का उदाहरण देते हुए भारतीय प्रोडक्ट्स का बहिष्कार करने की नसीहत दी है। इससे पहले पाकिस्तान ने भाजपा नेताओं की विवादित टिप्पणियों के प्रति अपना विरोध दर्ज कराने के लिए भारतीय उच्चायोग के प्रभारी को तलब किया था। इमरान खान ने कहा हिंदुस्तान में हमारे पैगंबर की शान में गुस्ताखी हुई है, हुकूमत को इस पर सख्त रुख अपनाना चाहिए। अगर अरब में चार देश इस पर सख्त रुख अपना सकते हैं, तो सरकार को भी स्टैंड लेना चाहिए। खान ने कहा हिंदुस्तान की भाजपा पार्टी

मुसलमानों के खिलाफ है। शरीफ खानदान अपने संबंध मोदी से तोड़े और सख्त स्टैंड लें। मैं हुकूमत से कहता हूं कि सारी कौम आपकी तरफ देख रही है, दोस्ती और बिजनेस खत्म करें, अरब देशों की तरह स्टैंड लें और इनके प्रोडक्ट का बहिष्कार करें।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने विवादित बयान पर कहा कि इस तरह के अपमानजनक और निंदनीय बयानों ने पूरी दुनिया में मुसलमानों की भावनाओं को आहत किया है। उन्होंने कहा यह सबूत है कि भारत एक फासीवादी देश बन चुका है। अब वह सेक्युलर इंडिया नहीं है, उस पर हिंदुत्व की विचारधारा हावी है। भुट्टो ने कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ शांति चाहता है, लेकिन इसके लिए दूसरे पक्ष की सोच तर्कसंगत होनी चाहिए। वैश्विक स्तर पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अल-कायदा इन द इंडियन सब-कॉन्टीनेंट (एक्यूआईएस) ने भारत को धमकी दी है।

अल-कायदा ने कहा हम उन लोगों की हत्या करेंगे जिन्होंने हमारे पैगंबर का अपमान किया है। हम अपने और अपने बच्चों के शरीर में विस्फोटक बांधेंगे ताकि उन लोगों को उड़ा सकें, जो हमारे पैगंबर का अपमान करने की हिम्मत कर रहे हैं। भगवा आतंकवादी अब दिल्ली, मुंबई, उत्तर प्रदेश और गुजरात में अपने अंत का इंतजार करें।

इतिहास में पहली बार सिर्फ दवा से ही ठीक हो गया जानलेवा कैंसर, मेडिकल जगत हैरान

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

दुनिया जल्द ही एक भयानक बीमारी कैंसर से छुटकारा पाने में सक्षम हो सकती है। रेक्टल कैंसर से जूझ रहे मरीजों के जिंदगी फिर से सवर जाएगी। प्रयोग के तौर पर एक इलाज में इन मरीजों का कैंसर पूरी तरह से ठीक हो गया और नया जीवन मिला है। यह एक छोटा सा क्लिनिकल ट्रायल था जिसमें 18 मरीजों को शामिल किया गया था। इन मरीजों को 6 महीनों तक डोस्टरलिमैब नाम की एक दवा खिलाई जाती रही जिसका रिजल्ट 6 महीने बाद आया और चमत्कार साबित हुआ। बता दें कि इन मरीजों का कैंसर पूरी तरह ठीक हो गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट ने इसकी जानकारी साझा की है।

कौन सी है यह दवा?

डोस्टरलिमैब एक ऐसी दवा है जो लैब में बनाए गए अणुओं से बनी है। यह दवा शरीर में जाते ही सब्स्टीट्यूट एंटीबॉडीज की तरह काम करती है। रेक्टल कैंसर के सभी मरीजों को एक ही दवा दी गई और इलाज का नतीजा 100 प्रतीशत सही आया। 6 महीनों में भीतर सभी मरीजों का कैंसर पूरी तरह गायब हो गया। मरीजों का एंडोस्कोपी, जैसे फिजिकल एगजामिनेशन किया गया तो उसमे कैंसर का नामोनिशान नहीं था। न्यूयॉर्क के मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर के डॉ लुइस ए डियाज जे ने कहा कि यह 'कैंसर के इतिहास में पहली बार हुआ है।'

क्लिनिकल ट्रायल के नतीजों से मेडिकल जगत हैरान

रिपोर्ट के मुताबिक, क्लिनिकल ट्रायल में शामिल मरीज इससे पहले कैंसर से छुटकारा पाने के लिए काफी दर्दनाक ट्रीटमेंट से गुजरते है जैसे कीमोथेरेपी, रेडिएशन और सर्जरी। इन तरीकों से और गंभीर बीमारी होना का खतरा बना रहता है। क्लिनिकल ट्रायल में शामिल होने वाले 18 मरीजों को लगा था कि यह उमके इलाज का आखिरी चरण है। उन्हें जानकर काफी हैरानी हुई कि अब उन्हें आगे कोई भी इलाज कराने की जरूरत नहीं है। क्लिनिकल ट्रायल के रिजल्ट ने मेडिकल जगत को हैरान कर दिया है।

क्या इसके है कोई साइड इफेक्ट?

मीडिया से बातचीत के दौरान यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में कोलोरेक्टल कैंसर विशेषज्ञ डॉ. एलन पी. वेनुक ने कहा कि सभी मरीजों का पूरी तरह ठीक हो जाना एक चमत्कार से कम नहीं है। इस रिसर्च ने सभी को हैरान करके

रख दिया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी मरीज में ट्रायल ड्रग के साइड इफेक्ट नहीं दिखा। रिसर्च पेपर की को-ऑर्थर ने उस पल का जिक्र किया और बताया कि जब सभी मरीजों को यह पता चला कि उनका कैंसर पूरी तरह से ठीक हो चुका है तो 'उन सभी की आंखों में खुशी के आंसू थे।' दवा का रिव्यू करने वाले कैंसर शोधकर्ताओं ने बताया कि यह इलाज आशाजनक लग रहा है। लेकिन इसके बड़े पैमाने पर ट्रायल की जरूरत हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दवा बाकी मरीजों पर भी असरदार है और यह कैंसर को वास्तव में पूरी तरह ठीक कर सकती है।

चोट के कारण विंबलडन अभ्यास टूर्नामेंट से हटी एम्मा रादुकानू

नाटिंघम । यूएस ओपन चैम्पियन एम्मा रादुकानू को इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि चोट के कारण नाटिंघम ओपन टेनिस टूर्नामेंट में मैच

भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच आज खेला जाएगा पहला टी20

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम गुरुवार को यहां मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज का पहला मैच खेलेगी। इस मैच में भारतीय टीम युवा विकेटकीपर बल्लेबाज लोकेश राहुल की कप्तानी में उतरेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम ने नियमित कप्तान रोहित शर्मा, अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह व मो शमी को आराम दिया है। ऐसे में इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए भी यह सीरीज अहम मानी जा रही है। इस सीरीज में भारतीय टीम नये और अनुभवी खिलाड़ियों की क्षमता को आंकने का प्रयास भी करेगी। भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है क्योंकि उसे घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा। भारतीय टीम पिछले कुछ समय से अच्छी लय में है उसने लगातार 12 मैच जीते हैं और वह लगातार 13वां

टी20 जीतकर नया रिकॉर्ड बनाने का भी प्रयास करेगी। वहीं मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का लक्ष्य इस सीरीज में टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना व अक्टूबर में होने वाले विश्व कप के लिये टीम तैयार करना होगा।

इस मैच में भारतीय टीम प्रबंधन के लिए सलामी जोड़ीदार के तौर पर रुतुराज गायकवाड़ और इशान किशन में से किसी एक का चयन करना कठिन होगा। यह दोनों ही आईपीएल में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार यादव के नहीं होने के कारण तीसरे नंबर पर उतारा जा सकता है। वहीं अच्छी फॉर्म में चल रहे दीपक हुड्डा को भी टीम में शामिल किया जा सकता है। आईपीएल में दीपक ने अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं गेंदबाजी में युवा अर्शदीप सिंह को अवसर मिल सकता है।

दूसरी ओर तेंबा बावुमा की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका की ओर से क्विंटन डिकॉक और डेविड मिलर जैसे बल्लेबाजों पर रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान कगिसो रबाडा, लुंगी एनडिगी, एनरिक नॉर्किया जैसे खिलाड़ियों पर रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्राकर हैं

भारतीय टीम: लोकेश राहुल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (उपकप्तान-विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक।

दक्षिण अफ्रीका की टीम: तेंबा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंगी एनडिगी, एनरिक नॉर्किया, वेन पर्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कगिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डर डुसेन और मार्को यानसेन।

रामाकृष्णा को पैरा-निशानेबाजी विश्व कप में गोल्ड पेरिस 2024 पैरालंपिक का टिकट मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

श्रीहर्षा देवाराडी रामाकृष्णा फ्रांस के चेटियारो में चल रहे पैरा निशानेबाजी विश्व कप में मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल एसएच2 स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस पैरालंपिक 2024 के लिए कोटा हासिल करने वाले दूसरे भारतीय पैरा निशानेबाज बने। रामाकृष्णा ने फाइनल में 253.1 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्लोवेनिया के फ्रांसेक टिरसेक (252.6) ने रजत जबकि टेंगाय डि ला फोरेस्ट (230.3) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। रामाकृष्णा से पहले मंगलवार को टोक्यो 2020 पैरालंपिक चैंपियन अवनी लेखरा ने प्रतियोगिता के पहले दिन विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता था और पेरिस पैरालंपिक कोटा हासिल करने वाली पहली भारतीय पैरा निशानेबाज बनीं थी।

अवनी ने भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) से कहा कि यह प्रतियोगिता मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह टोक्यो खेलों के बाद पहला टूर्नामेंट है। इस टूर्नामेंट से मुझे यह समझने में मदद मिलेगी कि मैंने उन विभिन्न पहलुओं पर कितनी प्रगति की है जिन पर मैं काम कर रही थी। उन्होंने कहा कि साथ ही यह मेरे नए उपकरणों के साथ मेरी पहली प्रतियोगिता थी और इससे मुझे अपने खेल का आकलन करने में मदद मिलेगी और मैं जान पाऊंगी कि मुझे आगे क्या बदलाव करने की जरूरत है।

आईसीसी रैंकिंग : जो रूट नंबर 2 पर पहुंचे, न्यूजीलैंड के खिलाफ शतकीय पारी का हुआ फायदा

दुबई (एजेंसी)।

इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की अंतिम पारी में नाबाद 115 रन बनाकर आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह स्टीव स्मिथ (वर्तमान में नंबर 3 पर) और केन विलियमसन से आगे निकल गए हैं। वहीं बाबर आजम चौथे स्थान पर विराजमान हैं। 892 अंकों के साथ मार्नस लाबुशेन पहले स्थान पर हैं। केन विलियमसन पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। गेंदबाजों में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जेमीसन जिन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ छह विकेट लिए थे, दो पायदान ऊपर चढ़ गए हैं और अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर वापस आ गए हैं। उसी टेस्ट में छह विकेट लेने वाले

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन दो पायदान के फायदे के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी पारी में अर्धशतक लगाने वाले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स दो पायदान के फायदे के साथ 27वें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूज़ीलैंड के बल्लेबाज टॉम ब्लंडल और डैरिल मिचेल ने भी साप्ताहिक अपडेट में भारी लाभ कमाया है- ब्लंडेल 14 और 96 के स्कोर के बाद 15 स्थान की छलांग लगाकर 35वें स्थान पर आ गए हैं जबकि मिचेल 13 और 108 के स्कोर के साथ 75वें से 50वें स्थान पर आ गए हैं।

कप्तान करण शर्मा और गेंदबाजों के दम पर रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचा यूपी, तीसरे ही दिन हारा कर्नाटक

लखनऊ /नयी दिल्ली (एजेंसी)।

गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद कप्तान करण शर्मा के नाबाद अर्धशतक से उत्तर प्रदेश ने पहली पारी में पिछड़ने के बावजूद रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के तीसरे ही दिन कर्नाटक को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहली पारी में 98 रन की बढ़त हासिल करने वाली कर्नाटक की टीम दूसरी पारी में सौरभ कुमार (36 रन पर तीन विकेट), अंकित राजपूत (15 रन पर दो विकेट) और यश दयाल (35 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने सिर्फ 114 रन पर ढेर हो गई।

उत्तर प्रदेश को इस तरह 213 रन का लक्ष्य मिला जो उसने 65.2 ओवर में पांच विकेट पर 213 रन बनाकर हासिल कर लिया। उत्तर प्रदेश की टीम भी एक समय 114 रन पर पर पांच विकेट गंवाने के बाद संकट में थी लेकिन कप्तान करण (नाबाद 93) और प्रिंस यादव (नाबाद 33) ने छठे विकेट के लिए 99 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। करण ने 163 गेंद की अपनी धैर्यपूर्ण पारी के दौरान 13 चौके और एक

छक्का लगाया। प्रियम गर्ग ने भी 60 गेंद में 52 रन की उम्दा पारी खेली। गर्ग ने अपनी पारी के छह चौके और दो छक्के लगाए। कर्नाटक ने पहली पारी में 253 रन बनाए थे जिसके जवाब में उत्तर प्रदेश की टीम 155 रन ही बना सकी थी।

कर्नाटक की ओर से श्रीनिवास शरत (नाबाद 23) और मयंक अग्रवाल (22) ही दूसरी पारी में 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। अगर अतिरिक्त रन का 20 रन का योगदान नहीं होता तो कर्नाटक की टीम 100 रन के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाती।

कर्नाटक की टीम आज आठ विकेट पर 100 रन से आगे खेलने उतरी और उसने 14 रन जोड़कर रोनित मोरे (00) और विधवत कवेरापा (00) के विकेट भी गंवा दिए। दोनों विकेट दयाल के खाते में गए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे उत्तर प्रदेश की शुरुआत भी खराब रही। तेज गेंदबाज विजयकुमार विशाक (47 रन पर तीन विकेट) ने 28 रन के स्कोर तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों समर्थ सिंह (14) और आर्यन जुयाल (01) को पवेलियन भेजा दिया। गर्ग और करण ने इसके बाद 59 रन जोड़कर पारी को संभाला। गर्ग ने इस दौरान आक्रामक रवैया अपनाया और विधवत पर छक्के के साथ सिर्फ 57 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। वह हालांकि अगले ओवर में कृष्णप्पा गौतम की गेंद पर श्रेयस गोपाल को कैच दे बैठे। रिंकू सिंह भी चार रन बनाने के बाद विधवत की गेंद पर बोल्ड हो गए। विजयकुमार ने ध्रुव जुरेल (09) को आउट करके उत्तर प्रदेश को पांचवां झटका दिया लेकिन इसके बाद करण और प्रिंस ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। करण ने गोपाल पर चौके के साथ 122 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 क्रिकेट मुकाबले में श्रीलंका को 10 विकेट से हराया

कोलंबो । मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने यहां पहले ही टी20 क्रिकेट मुकाबले में मेजबान श्रीलंकाई टीम को 10 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.3 ओवर में 128 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद जीत के लिए मिले 129 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बिना किसी नुकसान के 14 ओवरों में ही हासिल कर लिया। डेविड वॉर्नर 70 और कप्तान आरोन फिंच 61 बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर मेजबानों को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। मेजबान टीम की शुरुआत ठीक रही पर सलामी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद पारी लड़खड़ा गयी। श्रीलंकाई टीम की ओर चरित असालंका ने सबसे अधिक 38 रन बनाए। वहीं उनके जोड़ीदार पाथुम निसांका ने 36 और गुणतिलका ने 26 रन बनाए। वहीं ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने केवल 16 रन देकर 4 विकेट लिये जबकि मिचेल स्टार्क को 3 विकेट मिले। इसके अलवा केन रिचर्ड्सन ने भी 1 विकेट लिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया को तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में 1-0 की बढ़त मिल गयी है।

हार्दिक गेंद और बल्ले दोनों से एक अच्छे खिलाड़ी : द्रविड़

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में हार्दिक पंड्या फिनिशर की भूमिका निभाएंगे। द्रविड़ ने कहा कि यह जरूरी नहीं कि पंड्या तीन या चार नंबर पर बल्लेबाजी करें। उन्होंने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि हार्दिक गेंद और बल्ले दोनों से एक अच्छे खिलाड़ी हैं। हमने पहले भी उन्हें हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखा है। वह एकदिवसीय मुकाबलों के अलावा आईपीएल में वो शानदार फॉर्म में दिखे हैं। हमारे लिए यह बड़ी खुशी की बात है कि हमारे पास हार्दिक जैसी

खूबियों वाले खिलाड़ी हैं। वहीं बल्लेबाजी क्रम को लेकर कोच ने कहा, मैं मैच के शुरू होने से पहले क्रम का खुलासा नहीं करने जा रहा हूं पर सामान्य तौर पर, कभी-कभी आप अपनी फ्रेंचाइजी के लिए जो भूमिका निभाते हैं, वह उस भूमिका के जैसी ही हो जाती है जो आप राष्ट्रीय टीम के लिए निभाते हैं। वहीं कभी-कभी आपको टीम के हिसाब से अपनी भूमिका बदलनी पड़ती है। यह हार्दिक ही नहीं सभी खिलाड़ियों के लिए है, अपनी फ्रेंचाइजी के लिए उन्होंने जो भूमिकाएं निभाईं हैं, वो उस भूमिका से अलग हो सकती है, जिसकी हम अपने टीम संयोजन के आधार पर उम्मीद कर रहे हैं।

उमरान को करना पड़ेगा इंतजार, हर कोई अंतिम एकादश में नहीं हो सकता : द्रविड़

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि वह निरंतरता पर भरोसा करते हैं। द्रविड़ ने कहा कि हमारे पास बड़ी टीम है और हर कोई अंतिम एकादश में नहीं हो सकता। ' उन्होंने कहा, 'मुझे निरंतरता पसंद है और मैं लोगों को समय देने में विश्वास करता हूं. द्रविड़ के इस बयान से साफ है कि आईपीएल में अपनी तेज रफ्तार से सबका ध्यान खींचने वाले युवा युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक को टीम में अवसर के लिए अभी इंतजार करना होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुरुवार से 5 मैचों की टी20 सीरीज शुरु रही है जिसमें उमरान को अवसर मिलने की अटकलें लगीं थी। उमरान ने आईपीएल सत्र के 4 मैचों में कुल 22 विकेट लिए हैं। वह अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे हैं।

वहीं द्रविड़ का मानना है कि अभी उनके पास हर्षल पटेल , भुवनेश्वर कुमार और आवेश खान जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। इन्होंने पिछली सीरीज में भी खेला था। उन्होंने कहा कि टीम में युवा खिलाड़ियों का भी होना अच्छी बात है इससे पूल बड़ा होता है और ज्यादा विकल्प मिलते हैं पर सभी को एक-साथ अवसर नहीं दिया जा सकता क्योंकि वह हर किसी खिलाड़ी को पर्याप्त समय देना चाहते हैं हालांकि उन्होंने उमरान की तारीफ करते हुए कहा, 'वह काफी तेज गेंदबाजी करते हैं। आईपीएल में भारतीय गेंदबाजों को इतनी तेज गेंदबाजी करते देखना अच्छा लगता है।'

राष्ट्रमंडल खेलों से पहले टीमों की जानकारी के लिए प्रो लीग मैचों का इस्तेमाल करेंगे : हॉकी कोच

बेंगलुरू (एजेंसी)।

भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीम के कोच इस साल होने वाले बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम स्थान हासिल करने की कोशिश में अपनी तैयारियों के अंतर्गत आगामी एफआईएच प्रो लीग मैचों से टीमों के बारे में बेहतर जानकारी लेने का प्रयास करेंगे। भारतीय पुरूष टीम को एफआईएच प्रो लीग के मैचों के अगले दौर में मेजबान बेल्जियम (11 और 12 जून) और नीदरलैंड (18 और 19 जून) के खिलाफ खेलना है जबकि महिला टीम बेल्जियम (11 और 12 जून), अर्जेंटीना (18 और 19 जून) और अमेरिका (21 और 22 जून) से भिड़ेगी।

भारतीय पुरूष टीम के मुख्य कोच रीड ने हॉकी इंडिया के बयान में कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों के लिए दो महीने से भी कम का समय बचा है, हम इस समय का इस्तेमाल यह सुनिश्चित करने के लिए करेंगे कि हम इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए सर्वश्रेष्ठ रूप से तैयार हों। प्रो लीग मैचों से हमें उन विभागों की जानकारी मिलेगी जिसमें राष्ट्रमंडल खेलों से पहले सुधार की जरूरत है। हम जून के अंतिम हफ्ते में राष्ट्रमंडल खेलों के लिए राष्ट्रीय शिविर लगाएंगे।

कोच रीड बोले- खिलाडी काफी सकारात्मक हैं और बेल्जियम और नीदरलैंड में अच्छा करके हमें जुलाई में राष्ट्रमंडल खेलों से पहले सही लय मिलेगी। एशिया कप की टीम भी अच्छा कर रही है, हमारे खिलाडियों की गहराई बढ़ी ही है, जिससे बड़े टूर्नामेंट के लिए टीम चयन की प्रक्रिया बेहद मुश्किल और दिलचस्प बन गई है। भारतीय महिला हॉकी टीम की प्रमुख कोच यानेक शॉपमैन भी रीड से सहमत थीं, उन्होंने कहा कि आगामी एफआईएच प्रो लीग मैच राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों के लिये काफी अहम हैं।

शॉपमैन ने कहा कि अगले कुछ हफ्ते हमारे लिये निश्चित रूपसे काफी चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होंगे क्योंकि हम राष्ट्रमंडल खेलों से पहले जून और जुलाई में नियमित रूप से मैच खेल रहे हैं। लगातार प्रो लीग मैचों से निश्चित रूप से हमें खिलाडियों के उबरने और 24 घंटे अंदर मैच के लिए तैयार रहने की प्रक्रिया का पता चलेगा। उन्होंने कहा कि जकार्ता 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में करीब से पोडियम स्थान चूकने वाली भारतीय महिला टीम बर्मिंघम में पदक पर निगाह लगाए है।

हैरी केन के गोल से इंग्लैंड ने जर्मनी से ड्रॉ खेला, इटली जीता

म्यूनिख । हैरी केन के आखिरी क्षणों में पेनल्टी पर किए गए गोल से इंग्लैंड ने नेशन्स लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में जर्मनी को 1-1 से ड्रॉ पर रोका जबकि इटली और तुर्की ने अपने अपने मैच जीते। केन ने 88वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला। रेफरी कार्लोस डेल सीरो ग्रेंडे ने वीडियो रेफरल के बाद इंग्लैंड को यह पेनल्टी दी थी। इससे पहले योनास होफमैन ने 51वें मिनट में जर्मनी को बढ़त दिलाई थी। उधर सेसेना में लोरेंजो पेलेग्रिनी के शानदार प्रदर्शन से इटली ने हंगरी को 2-1 से हराया। पेलेग्रिनी ने उसकी तरफ से निर्णायक गोल किया। इससे पहले निकोला बारेला ने 30वें मिनट में इटली को शुरुआती बढ़त दिलाई थी लेकिन 61वें मिनट में जियानलुका मनचिनी के आत्मघाती गोल से स्कोर बराबर हो गया था। तुर्की ने लिथुआनिया को 6-0 से करारी शिकस्त दी जबकि लक्जमबर्ग ने फेरो आइलैंड्स पर 1-0 से जीत दर्ज की। फिनलैंड ने मोंटेनेग्रो को 2-0 और बोस्निया हर्जेगोविना ने रोमानिया को 1-0 से पराजित किया।

एंडी मर्रे की स्टुटगार्ट ओपन के पहले दौर में आसान जीत

स्टुटगार्ट । विंबलडन में 2 बार के चैम्पियन एंडी मर्रे ने स्टुटगार्ट ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में आस्ट्रेलियाई क्वालीफायर क्रिस्टोफर ओकोनेल को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। पैंतीस वर्षीय मर्रे ने मैच में शुरुआती तीन गेम गंवाए लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की तथा चार बार ओकोनेल की सर्विस तोड़ी। दूसरे दौर में मर्रे का सामना 7वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिच से होगा जिन्होंने डेनिस कुडला को 7-6 (3), 7-5 से हराया। स्विट्जरलैंड के क्वालीफायर डोमिनिक स्ट्रीकर ने अमेरिकी खिलाड़ी मैक्सिम क्रेसी को 6-7 (2), 7-6 (5), 7-6 (2) से हराकर उलटफेर किया। उन्नीस वर्षीय स्ट्रीकर का अगला मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास से होगा। मार्टन फुस्कोविक्स ने आस्ट्रियाई क्वालीफायर जुरिज रोडियोनोव को 6-7 (5), 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी वरीयता प्राप्त ह्यूबर्ट हर्काज से भिड़ने का हक पाया। फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच ने हमवतन यूगो हम्बर्ट को 4-6, 7-6 (4), 6-4 से पराजित किया। उनका अगला मुकाबला एक अन्य फ्रांसीसी खिलाड़ी बेंजामिन बोन्जी से होगा। बोन्जी ने सोमवार को स्पेन के फेलिसियानो लोपेज को 6-4, 6-1 से हराया था। एक अन्य मैच में निक किर्गियोस ने जिरी लेहेका को 7-6 (3), 6-3 से शिकस्त दी।

लेडी 'सचिन' मिताली राज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाड़ियों में से एक भारतीय एकदिसीय और टेस्ट क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। मिताली ने अपने दो दशक से अधिक लंबे क्रिकेट करियर में कई अहम रिकार्ड अपने नाम किये हैं। मिताली ने साल 1999 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था उसके बाद से ही वह लगातार खेलती रही हैं। इस प्रकार उन्होंने 23 साल भारत की ओर से खेला है। यह महिला क्रिकेट में एक रिकार्ड है।

संन्यास की घोषणा करते हुए मिताली ने कहा, इतने साल से आपके प्यार और समर्थन के लिए आभारी हूं। अब मैं अपनी दूसरी पारी के लिए आपका आशीर्वाद और सहयोग चाहूंगी। मिताली ने साथ ही कहा, हर सफर की तरह ही मेरे क्रिकेट करियर का भी कहीं न कहीं अंत होना ही था। मैं आज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के हर प्रारुप को अलविदा कह रही हूं। मैं मन में हमेशा भारतीय टीम को जिताने का इरादा लेकर उतरती हूं। मुझे जिस प्रकार भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी करने का मौका मिला, उसे मैं हमेशा ही याद रखूंगी। मुझे लगता है कि अब मेरे संन्यास का सही समय आ गया है क्योंकि कई युवा खिलाड़ी अवसर का इंतजार कर रहीं हैं। भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्जवल है। मिताली ने साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और एक खिलाड़ी के रूप में क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और सचिव जय शाह से मिले समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया। साथ ही कहा कि इतने सालों तक टीम की कप्तानी करना सम्मान और गर्व की बात है। मुझे इसने एक बेहतर इंसान बनने में मदद की और उम्मीद करती हूं कि भारतीय महिला क्रिकेट को भी इसका लाभ हुआ होगा। एक खिलाड़ी के तौर पर मेरा यह सफर भले ही खत्म हो गया है पर दूसरा इंतजार कर रहा है इसलिए मैं आगे भी इस खेल से किसी न किसी रुप में अपने को जोड़े रखना चाहती हूं। साथ ही कहा कि मेरा प्रयास भारत और विश्व में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देना रहेगा। सभी प्रशंसकों के प्यार और सहयोग के लिए मैं उन्हें धन्यवाद देती हूं।

मिताली के नाम एकदिवसीय में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है, साथ ही भारत के लिए लंबे वक्त तक कप्तानी करने का रिकॉर्ड भी मिताली के नाम पर ही है. मिताली ने 232 एकदिवसीय मैच में 7805 रन बनाए हैं, इस दौरान मिताली का औसत 50.68 का रहा है। एकदिवसीय क्रिकेट में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला क्रिकेटर हैं। मिताली राज के नाम 7 शतक और 64 अर्धशतक हैं। मिताली ने अपने 23 साल के करियर में केवल 12 ही टेस्ट मैच खेले हैं, इनमें 43.68 की औसत से 699 रन बनाए हैं, जिसमें एक दोहरा शतक (214 रन) भी शामिल हैं। वहीं अगर अंतरराष्ट्रीय टी-20 की बात करें तो उन्होंने 89 मैच में 2364 रन बनाए हैं, टी-20 इंटरनेशनल में भी मिताली ने 17 अर्धशतक लगाये हैं। मिताली राज के नाम बतौर कप्तान सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 155 एकदिवसीय मैच में कप्तानी की, जिसमें 89 में जीत और 63 में हार मिली है। वह विश्व की एकमात्र ऐसी कप्तान हैं, जिन्होंने 150 से अधिक एकदिवसीय मैचों में कप्तानी की है।

चोट के कारण विंबलडन अभ्यास टूर्नामेंट से हटी एम्मा रादुकानू

नाटिंघम । यूएस ओपन चैम्पियन एम्मा रादुकानू को इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि चोट के कारण नाटिंघम ओपन टेनिस टूर्नामेंट में मैच के बीच से हटने के बाद वह सिर्फ तीन सप्ताह के अंदर विंबलडन के लिए तैयार हो पाएंगी या नहीं। रादुकानू नॉटिंघम ओपन में अपने पहले मैच में विक्टोरिया गोलूबिच का सामना कर रही थी। जब उन्होंने हटने का फैसला किया तो तब वह 4-3 से पीछे चल रही थी।

मूसेवाला की हत्या पर दिल्ली पुलिस का बड़ा खुलासा, लॉरेंस बिश्नोई ही है मास्टरमाइंड

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसी)। पंजाब के सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या मामले में दिल्ली पुलिस ने कई बड़े खुलासे किए हैं। दिल्ली पुलिस स्पेशल सीपी एच जी एस धारीवाल ने बताया मूसेवाला की हत्या करने वाले पांच लोगों की पहचान कर ली गई है। उन्होंने बताया कि हत्या पूरी तरह से ख़लानिंग की गई उसके बाद मूसेवाला को मारा गया। दिल्ली पुलिस ने बताया है कि इस पूरे हमले का मास्टरमाइंट लॉरेंस बिश्नोई है।

दिल्ली पुलिस ने कहा है कि कई राज्यों में पुलिस की टीमें हैं और आरोपियों की तलाश की जा रही है। महाकाल के करीबी शूटर ने मूसेवाला को मारा है। सिधेश हीरामल उर्फ महाकाल को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा पांच और शूटर्स की पहचान हो गई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक महाराष्ट्र पुलिस को महाकाल की 14 दिन की पुलिस हिरासत में दिया गया है। वह एक शूटर का करीबी सहयोगी है, लेकिन वह हत्या में शामिल नहीं है।

दिल्ली पुलिस स्पेशल सीपी ने बताया कि मूसेवाला हत्याकांड में जिन भी आरोपियों के नाम सामने आए हैं, उनमें से एक सिंगर का काफी करीबी बताया गया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक वो पहले साथ में गोली भी चलाया करते थे। ऐसे में दोनों एक दूसरे को पहले से जानते थे। अभी के लिए दिल्ली पुलिस मानकर चल रही है कि महाकाल उर्फ सिधेश हिरामल की गिरफ्तारी से इस मामले की कई कड़ियां साफ हो सकती हैं। लॉरेंस बिश्नोई की पूछताछ के दौरान दो खुलासे कर रहा है, उसके दम पर भी इस केस की जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या ने पूरे देश में सनसनी मचा दी। प्रशंसकों को झकझोर दिया। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया, इसके एक दिन बाद उनकी हत्या की साजिश का चौंकाने वाला विवरण सामने आया है। सिद्धू मूसेवाला अपनी बीमार मासी को देखने बरनाला जा रहे थे। वह महिंद्रा थार में दोस्तों के साथ बैठे थे, दिन-दहाड़े रास्ते में उनके ऊपर ताबड़तोड़ गोलियों की बारिश की गई और सिंगर ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। सिद्धू मूसेवाला के दोस्त गुरविंदर सिंह थार में उनके पीछे सीट पर बैठे थे। वहीं गुरप्रीत सिंह आगे सीट पर सिद्धू मूसेवाला के बगल में बैठे थे। उन्होंने घटना के दिन का रोंगने खड़ा कर देने वाला विवरण दिया।

गुरप्रीत सिंह ने एनडीटीवी को बताया कि चूंकि थार जीप में पांच लोगों का बैठना मुश्किल होता, इसलिए उन्होंने अपने सुरक्षा गार्ड को साथ नहीं लिया। सिद्धू मूसेवाला अपनी मासी के गांव पहुंचे, वाहन के पीछे से एक गोली चलाई गई और एक अन्य वाहन ने उनकी जीप को आगे से रोक दिया।

सिद्धू के दोस्त ने बताया कि ऑटोमेटिक असॉल्ट राइफल लेकर एक व्यक्ति जीप के सामने आया और अंधाधुंध फायरिंग करने लगा। 28 वर्षीय सिंगर सिद्धू मूसेवाला ने अपनी पिस्तौल से दो राउंड फायरिंग भी की लेकिन उनकी पिस्तौल असॉल्ट राइफलों का मुकाबला नहीं कर सकी।

गुरविंदर सिंह ने कहा कि शूटर्स ने तीन तरफ से थार को घेर लिया और लगातार फायरिंग करते रहे। उन्होंने कहा कि सिद्धू मूसेवाला ने अपनी जीप में भागने की कोशिश की, लेकिन नहीं वह नहीं भाग सके। पुलिस सूत्रों ने पहले कहा था कि मूसेवाला को करीब आठ से 10 हमलावरों ने 30 से अधिक बार गोली मारी थी। उन्होंने बताया कि इतनी गोलियां मारने के बाद हमलावरों ने यह चेक किया कि सिद्धू मूसेवाला जिंदा हैं या मर गए। पंजाब के मनसा जिले में हत्या के स्थान पर मिली गोलियों से संकेत मिलता है कि हमले में एएन 94 रूसी असॉल्ट राइफल का भी इस्तेमाल किया गया था। पुलिस को एक पिस्तौल भी मिली है, जो सिद्धू मूसेवाला की बताई जा रही है, जिससे उन्होंने अपना बचाव करने का प्रयास किया था।

पंजाब पुलिस ने गायक के पिता बलकौर सिंह की शिकायत के बाद हत्या और शस्त्र अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। बलकौर ने अपनी शिकायत में कहा कि 'रविवार को, मेरा बेटा अपने दोस्तों गुरविंदर सिंह और गुरप्रीत सिंह के साथ थार कार में मासी को देखने गया था। वह बुलेटप्रूफ फॉर्च्यूनर और दो गार्डों को अपने साथ नहीं ले गया। मैं दो सशस्त्र कर्मियों के साथ दूसरी कार में उसके पीछे था।'

एक एसयूवी और एक सेडान सड़क पर उनका इंतजार कर रही थी। शिकायत में कहा गया है कि प्रत्येक के अंदर चार हथियारबंद लोग थे। इसमें कहा गया है कि मूसेवाला जिस कार में थे, उस पर कई हमलावरों ने गोलियां चलाईं। 'कुछ ही मिनटों में, मेरे बेटे को छलनी कर दिया गया। मैंने चिल्लाना शुरू कर दिया और लोग इकट्ठा हो गए। मैं अपने बेटे और उसके दोस्तों को अस्पताल ले गया, जहां उसकी मौत हो गई।'

दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव अंशु प्रकाश को कोर्ट से झटका, केजरीवाल-सिसोदिया को राहत

राजेश अलख

नई दिल्ली, 08 जून। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी (आप) के 9 अन्य विधायकों को बुधवार को सत्र अदालत से बड़ी राहत मिली। अदालत ने मारपीट मामले में केजरीवाल समेत अन्य को क्लीनचिट देने संबंधी निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली पूर्व मुख्य सचिव अंशु प्रकाश की याचिका खारिज कर दिया है।

राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल की अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत अन्य को क्लीनचिट देने संबंधी फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि निर्णय को रद्द करने का कोई ठोस आधार नहीं है। वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री आवास पर नौकरशाह पर मुख्यमंत्री व अन्य विधायकों द्वारा हमले का आरोप लगा था। 30 मार्च को, प्रकाश ने अदालत में कहा था कि केजरीवाल और सिसोदिया एक साजिश के 'किंगपिन' थे, जिसके कारण उनके साथ मारपीट की गई।

यह मामला 19 फरवरी, 2018 को केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर एक बैठक के दौरान प्रकाश पर हुए कथित हमले से जुड़ा है।

इस घटना ने दिल्ली सरकार और नौकरशाही के बीच तीखी नोकझोंक शुरू कर दी थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान, प्रकाश के वकील ने तर्क दिया था कि निचली अदालत ने अपने फैसले में गलती की थी और दिल्ली सरकार ने अभियोजन पक्ष को बल द्वारा लिखित अनुरोध के बावजूद आदेश के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका दायर करने की अनुमति नहीं दी थी।

अंशु प्रकाश ने अपनी पुनर्विचार याचिका में कहा था कि केजरीवाल और सिसोदिया साजिश के सरगना थे, जिसमें 11 विशिष्ट विधायकों को मुख्यमंत्री आवास पर बुलाया गया था। बैठक विशेष रूप से मुख्यमंत्री के ड्राइंग रूम में रखी गई थी, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने अदालत में यह तर्क पेश किया। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव के आगमन से एक घंटे पहले विधायकों को उपस्थित होने के लिए कहा गया था और बैठक को 'बिना किसी एजेंडे के बुलाया गया था, जहां इस मुद्दे से संबंधित अधिकारियों / मंत्रियों को विशेष रूप से गोपनीयता बनाए रखने के लिए नहीं बुलाया गया था। अधिवक्ता लूथरा का कहना था कि अब वे मुख्य सचिव पर शारीरिक हमले की घटना को स्वीकार कर रहे हैं लेकिन साजिश के आरोपों से इनकार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अन्य आरोपमुक्त विधायक अमानतुल्ला खान और प्रकाश जारवाल को यह कहकर बलि का बकरा बना रहे हैं कि निचली अदालत ने दोनों विधायकों के खिलाफ सही आरोप तय किए हैं।

अपनी पुलिस शिकायत में प्रकाश ने कहा कि आप के सत्ता में तीन साल पूरे होने के उपलक्ष्य में विज्ञापन जारी करने में आ रही दिक्कतों पर चर्चा करने के लिए उन्हें आधी रात को केजरीवाल के आवास पर बुलाया गया था। उन्होंने दावा किया कि हमला मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और 11 अन्य विधायकों की मौजूदगी में आपराधिक बल से डराने-धमकाने और कानूनी कर्तव्य का निर्वहन करने से रोकने के इरादे से किया गया। आप ने इस दावे का खंडन किया और कहा कि बैठक उन कारणों पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी कि लगभग 2 लाख 50 हजार परिवार आधार के दोषपूर्ण कार्यान्वयन के कारण पीडीएस के तहत राशन क्यों नहीं ले पाए। परन्तु अदालत ने कहा कि प्रतिवादियों के खिलाफ मामला चलाने के लिए पुख्ता साक्ष्य नहीं है। इसलिए, याचिका को खारिज किया जाता है।

दिल्ली पुलिस ने अपने आरोप पत्र में केजरीवाल और सिसोदिया के साथ आप के 11 विधायकों- अमानतुल्ला खान, प्रकाश जारवाल, नितिन त्यागी, ऋतुराज गोविंद, संजीव झा, अजय दत्त, राजेश ऋषि, राजेश गुप्ता, मदन लाल, प्रवीण कुमार और दिनेश को नामजद किया था। निचली अदालत ने अगस्त 2021 में मामले में केजरीवाल, सिसोदिया और आप के नौ अन्य विधायकों को आरोप मुक्त कर दिया था। हालांकि, अदालत ने खान और जारवाल के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

राजस्थान में 'कानून' का सम्मान नहीं : बीजेपी

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव के तैयारियों के बीच भाजपा विधायक चंद्रकांता मेघवाल को पांच साल पुराने मामले में राजस्थान पुलिस ने नोटिस देकर थाने में तलब किया है। इसको लेकर भाजपा ने निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि राजस्थान में कानून के शासन का कोई सम्मान नहीं है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने ट्वीट किया, राजस्थान में कानून के शासन का कोई सम्मान नहीं है। राज्यसभा चुनाव को प्रभावित करने के इरादे से एक दलित महिला विधायक के खिलाफ गैरकानूनी कार्रवाई निंदनीय है।

भाजपा ने इस कदम को एक दलित महिला के खिलाफ गैरकानूनी कार्रवाई करार दिया।

राजस्थान पुलिस ने विधायक मेघवाल को 2017 में दर्ज एक मामले में नोटिस जारी कर उन्हें जांच में सहयोग करने को कहा है। सूत्रों ने कहा कि मेघवाल जयपुर में बीजेपी की ओर से की गई बाड़ाबंदी में शामिल हैं। पूनिया ने मंगलवार को ट्वीट किया, कांग्रेस नैतिक रूप से राज्यसभा चुनाव हार गई है और राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मामलों में कार्रवाई के नाम पर भाजपा विधायक को डराने-धमकाने की दुर्भावनापूर्ण साजिश रच रहे हैं। आग से मत खेलो गहलोत साहब। चुनाव 10 जून को संपन्न होंगे।

सरकार ने किसानों को दिया तोहफा, 14 खरीफ फसलों की एमएसपी को दी मंजूरी

राजेश अलख

नई दिल्ली, 08 जून। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया। मंत्रिमंडल ने वर्ष 2022-23 के लिए विभिन्न खरीफ (गर्मी) फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने यह जानकारी दी है। इससे फसल वर्ष 2022-23 के लिए खरीफ फसलों का एमएसपी अब बढ़ जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने फसल वर्ष 2022-23 के लिए सभी अनिवार्य खरीफ फसलों की एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दी है। किसानों को इससे काफी फायदा होगा। मीडिया से बात करते हुए ठाकुर ने कहा, ''आज की कैबिनेट बैठक में 14 खरीफ फसलों के एमएसपी को मंजूरी दी गई।''

धान की सामान्य ग्रेड किस्म के लिए एमएसपी को पिछले वर्ष के 1,940 रुपये से बढ़ाकर 2,040 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। वहीं, धान की 'ए' ग्रेड किस्म का समर्थन मूल्य 1,960 रुपये से बढ़ाकर 2,060 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। खरीफ की प्रमुख फसल धान होती है, जिसकी बुवाई शुरू हो चुकी है। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान लगाया है कि 2022 का दक्षिण-पश्चिम मानसून दीर्घकालिक औसत के 99 प्रतिशत पर सामान्य रहेगा।

पिछले तीन वर्षों में सामान्य से अच्छे मानसून के चलते खरीफ खाद्यान्न उत्पादन में औसतन 2.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसके परिणामस्वरूप खरीफ उत्पादन में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र के व्यापक विकास को सुनिश्चित करने के लिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा पिछले आठ वर्षों के दौरान शुरू किए गए कई कार्यक्रमों पर भी प्रकाश डाला।

इससे पहले एक विदेशी ब्रोकरेज रिपोर्ट में कहा गया है कि खरीफ कृषि आय में लगातार दूसरे वर्ष मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर उर्वरक और फीड की कीमतें बढ़ने से खरीफ कृषि लागत में और वृद्धि होने की उम्मीद है। पिछले महीने, सरकार ने जोर देकर कहा कि मौजूदा खरीफ सीजन के दौरान उर्वरकों की उपलब्धता अनुमानित मांग से अधिक है। साथ ही सरकार ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के लिए ऊर्वरक पर सब्सिडी बढ़कर लगभग 2.5 लाख करोड़ हो सकती है, ताकि किसानों को अत्यधिक रियायती दरों पर खाद मिल सके।

अलकायदा को अपने दायरे में रहना चाहिए : नरोत्तम मिश्रा

भोपाल, 08 जून (एजेंसी)। अल-कायदा की देश भर में आत्मघाती हमले की धमकी पर प्रतिक्रिया देते हुए मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को कहा कि भारत पर हमला करने की सोच रखने वालों को पता होना चाहिए कि उन्हें मिटा दिया जाएगा।

पूर्व भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मुहम्मद पर 'आपत्तिजनक' टिप्पणियों से उत्पन्न विवाद के मद्देनजर आतंकवादी संगठन की ओर से धमकी दी गई है।

मिश्रा ने कहा कि भारत में किसी भी आतंकी संगठन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मिश्रा ने इंदौर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। भारत पर हमला करने की सोच रखने वालों को पता होना चाहिए कि उन्हें मिटा दिया जाएगा।'

मंत्री ने कहा, 'अल-कायदा को अपने दायरे में रहना चाहिए। अगर वह भारत पर हमला करने के बारे में सोच रहा है, तो उसे खत्म कर दिया जाएगा।'

अल-कायदा ने एक धमकी भरे पत्र में लिखा है कि अपने पैगंबर मुहम्मद के सम्मान के लिए वे दिल्ली, मुंबई, उत्तर प्रदेश और गुजरात में आत्मघाती हमलों के लिए तैयार हैं। धमकी भरे बयान में कहा गया है कि 'भगवा आतंकवादियों' को अब दिल्ली, मुंबई, यूपी और गुजरात में अपने अंत का इंतजार करना चाहिए।

पत्र में कहा गया है कि वे न तो अपने घरों में और न ही अपनी किलाबंद सेना की छावनियों में शरण पाएंगे।

इसने कहा कि दुनिया भर के मुसलमानों के दिलों से खून बह रहा है और वे बदले और प्रतिशोध की भावनाओं से भरे हुए हैं।

नुपुर शर्मा ने कथित तौर पर पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी की थी जिसके बाद उन्हें पार्टी ने निलंबित कर दिया था।

उनके द्वारा दिए गए 'विवादास्पद' बयान ने एक अंतरराष्ट्रीय हंगामा खड़ा कर दिया है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, बहरीन, इंडोनेशिया और ईरान सहित कई मुस्लिम देशों के साथ-साथ इस्लामिक सहयोग संगठन ने आधिकारिक तौर पर बयान का विरोध किया है और माफी की मांग की है।

पाकिस्तानी ड्रोन से भारत में फेंकी गई 3.5 किलो हेरोइन, 4 गिरफ्तार

जयपुर, 08 जून (एजेंसी)। भारत-पाक सीमा पर राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने चार तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 3.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। जब्त हेरोइन की कीमत करीब 15 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस हेरोइन को मंगलवार को एक पाकिस्तानी ड्रोन ने भारतीय सीमा में फेंका था।

बीएसएफ गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर रही है। पिछले एक सप्ताह में सीमा पर नशीले पदार्थों के पकड़े जाने की यह दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले भी ड्रोन के जरिए ड्रग्स की तस्करी भारत में हुई थी।

जानकारी के अनुसार ड्रग्स की यह खेप गजसिंहपुर थाना क्षेत्र में स्थित ख्यालीवाला चेक पोस्ट के पास से बरामद की गई है। बीएसएफ ने मंगलवार तड़के अपनी ब्रांच के इनपुट पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया है।

बीएसएफ ने चार तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3.5 किलो हेरोइन बरामद की है। इस हेरोइन को एक पोटली में बांधकर रखा गया था और ड्रोन के जरिए भारतीय सीमा के पार पहुंचाया गया था।

अभी कुछ दिन पहले ही पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया था और उनके पास से 35 करोड़ रुपये के ड्रग्स बरामद किए गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट-पीजी में 1,456 खाली सीटों पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को नीट-पीजी 2021 में 1,456 खाली सीटों पर मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर छात्रों को दाखिला नहीं दिया गया, तो वह आदेश पारित करेगा और उन्हें मुआवजा भी देगा।

न्यायमूर्ति एम.आर. शाह और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की पीठ ने एमसीसी के वकील से कहा, भले ही एक भी कोर्स में सीट खाली रह गयी हो। यह देखना आपका कर्तव्य है कि वे खाली ना रहें।

पीठ यह जानकर नाराज हो गई कि 2021-22 सत्र में मेडिकल कॉलेजों में 1,456 सीटें खाली रह गई हैं। उन्होंने कहा कि एमसीसी और केंद्र छात्रों के लिए काउंसलिंग का मॉप अप राउंड आयोजित नहीं करके छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

एमसीसी के वकील ने कहा कि आदेश में इस मामले में व्यापक प्रभाव पड़ेगा और अदालत से अनुरोध किया कि वह मामले को समझाने के लिए उसे एक हलफनामा रिकॉर्ड में रखने की अनुमति दें।

शीर्ष अदालत ने कहा कि देश को डॉक्टरों और सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा पेशेवरों की जरूरत है और एमसीसी के वकील से कहा कि अगर छात्रों को प्रवेश नहीं दिया जाता है, तो वह एक आदेश पारित करेगा और उन्हें मुआवजा भी देगा। शीर्ष अदालत ने संबंधित अधिकारियों को कल अदालत में उपस्थित रहने का निर्देश दिया, जब वह मामले में आदेश पारित करेगी।

पीठ ने कहा, 'हम मुआवजे का भुगतान करने के आदेश पारित करेंगे। इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? अपने अधिकारी को कल बुलाएं।'

पीठ ने आगे कहा, 'हमें डॉक्टरों की जरूरत है। कोई कारगर व्यवस्था क्यों नहीं है? क्या आप छात्रों और अभिभावकों के तनाव के स्तर को जानते हैं?'

पीठ ने एमसीसी के वकील को दिन के दौरान अपना हलफनामा दाखिल करने की अनुमति दी और जोर दिया, 'ये छात्रों के अधिकारों से संबंधित बहुत महत्वपूर्ण मामले हैं।'

अधिवक्ता कुणाल चीमा के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया, 'याचिकाकर्ता इस अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए विवश है, क्योंकि कीमती मेडिकल सीटें अधूरी / गलत तरीके से भरी जा रही हैं और योग्यता हताहत हो रही है।

याचिका में कहा गया है, 'चौथे दौर के बाद कई सीटों के खाली रहने की संभावना इसके बाद बताए गए कारणों से अपरिहार्य है और इसलिए याचिकाकर्ता उपयुक्त याचिका के लिए, वर्तमान रिट याचिका दायर कर रहा है और निर्देश के लिए प्रार्थना कर रहा है कि वही राज्यों को वापस कर दिया जाए, ताकि मेधावी उम्मीदवारों को इसका लाभ उठाने का मौका मिले।'

खाद्य पदार्थों के कारण बढ़ेगी खुदरा महंगाई : आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है और महंगाई बढ़ने में 75 प्रतिशत योगदान खाद्य पदार्थों का रहेगा।

केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा कि वित्त वर्ष 23 में खुदरा महंगाई के अनुमान में करीब 75 प्रतिशत योगदान खाद्य पदार्थों के समूह का रहेगा। आरबीआई ने कहा कि महंगाई के पूर्वानुमान में बुधवार को मौद्रिक नीति समिति द्वारा लिये गये निर्णयों के परिणाम को जोड़कर नहीं देखा गया है।

आरबीआई ने खुदरा मुद्रास्फीति दर के चालू वित्त वर्ष में 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। इसके अलावा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए 7.5 प्रतिशत, दूसरी तिमाही के लिए 7.4 प्रतिशत, तीसरी तिमाही के लिए 6.2 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही के लिए 5.8 प्रतिशत का अनुमान जताया गया है।

फरवरी से अप्रैल के बीच खुदरा महंगाई दर में करीब 170 आधार अंकों की तेजी दर्ज की गई।

रूस-यूक्रेन युद्ध से कोई राहत मिलती न देखकर और महंगाई पर काबू पाने के लिए मौद्रिक नीतिगत उपायों के जरिये आपूर्ति आधारित मुश्किलों से निपटा जाएगा।

आरबीआई ने साथ ही रेपो दर में 50 आधार अंकों की ही बढ़ोतरी की घोषणा की है। इससे अब रेपो दर 4.9 प्रतिशत हो गया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com